www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 122 || अम्बेडकरनगर
गुरूवार
23 जुलाई 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:25
सूर्यास्तः 07:00
अधिकतमः 33°00
न्यूनतमः 27°00

पेज 07 »

विशेष समाचार
संवाद से सशक्त होगा ... » पेज 04
विवि हॉस्टलों में ड्रग्स सप्लाई ... » पेज 06
'मरते दम तक प्रोटेक्ट करूंगा'...

धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा, छात्रों को पीटने वालों पर हो एक्शन:राहुल

हम इन मांगों का पूरा समर्थन करते हैं और हर छात्र के साथ खड़े हैं। -विपक्ष के नेता राहुल गांधी

छात्रों की मांगें

- धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफ़ा देना चाहिए।
- छात्रों के साथ मारपीट करने वाले हर व्यक्ति को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।
- प्रधानमंत्री मोदी को छात्रों से माफ़ी मांगनी चाहिए।

राहुल गांधी ने आगे कहा कि धर्मेंद्र प्रधान ने सचमुच भारत की सबसे बड़ी संपत्ति को बर्बाद कर दिया है। हमारा शिक्षा सिस्टम खत्म हो गया है, इसलिए हम इन मांगों का पूरा समर्थन करते हैं और सड़कों पर उतरे हर एक छात्र का पूरी तरह से समर्थन करते हैं।

राहुल बोले-मुझे घसीटा तो मुंह से खून आया, दो-तीन पंच लगे, लेकिन धर्मेंद्र प्रधान को जाना होगा

'पुलिसवालों ने मेरे कान में कहा सरकार को हटाइए'

घेराबंदी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने दिल्ली के इंदिरा भवन में छात्रों के खिलाफ लाठीचार्ज पर करीब 40 मिनट प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने सबसे पहले अपने प्रेजेंटेशन में 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद चलो मार्च में शामिल छात्रों के वीडियो चलाए। राहुल कहा कि सुरक्षाबलों ने छात्रों को बुरी तरह पीटा। ऐसा क्यों किया गया। नीट पेपर लीक से देश के 7.5 करोड़ स्टूडेंट्स और उनके परिवार इस घटना से प्रभावित हुए हैं। नीट मामले में किसी भी को सजा नहीं हुई। राहुल ने कहा- जब पुलिसवाले मुझे हटाने आए तो उन्होंने मेरे कान में कहा सरकार को हटाइए। मुझे घसीटा तो मुंह से खून आया, दो-तीन पंच लगे, लेकिन धर्मेंद्र प्रधान को जाना होगा। महिलाओं के साथ पुलिस बदसलूकी करते दिख रही है। DCP संदीप लांबा पर लड़की को थप्पड़ मारने के आरोप लग रहे हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

नीट का खर्च देश के शिक्षा बजट से ज्यादा है

राहुल ने कहा- 10 साल में 152 पेपर देश में लीक हुए हैं। इनमें किसी भी मामले में किसी को भी सजा नहीं मिली। 1.4 लाख करोड़ भारत सरकार का एजुकेशन बजट है। 1.32 लाख करोड़ भारतीय परिवार नीट एग्जाम पर खर्च करते हैं। NEET का खर्च देश के शिक्षा बजट से ज्यादा है।

पेपर लीक में अभी तक कोई सजा नहीं

राहुल की दूसरी स्लाइड पेपर लीक के आंकड़ों से जुड़ी थी। राहुल ने कहा- अब तक 152 से ज्यादा पेपर लीक हुए हैं। जिससे 7.5 करोड़ छात्र प्रभावित हुए लेकिन पेपर लीक करने वालों को कोई सजा नहीं मिली।

कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन के चलते 16 मेट्रो स्टेशन बंद कर दिए गए थे। इसके बाद स्टेशन के बाहर ही उनके लिए खाने का इंतजाम किया गया।

शांतिपूर्ण विरोध से क्या परेशानी?

राहुल गांधी ने कहा कि सवाल यह है कि हमारे छात्रों के साथ ऐसा क्यों हो रहा है? हमारे छात्रों ने आखिर किया क्या है? सुरक्षा बल उन पर हथियार ताने खड़े हैं। उन्होंने क्या गलत किया है? वे शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे हैं, अपनी मांगें रख रहे हैं, और वे देश से अपना हक मांग रहे हैं। वे बस इतना कह रहे हैं कि देश के छात्र होने के नाते, हम एक ऐसी शिक्षा व्यवस्था के हकदार हैं, जो निष्पक्ष हो।

जंतर-मंतर पर पुलिस और छात्रों में झड़प

नई दिल्ली । दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों और पुलिस में झड़प हो गई। CJP प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थरबाजी की। जवाब में पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे।

उधर सोनम वांगचुक ने बुधवार शाम गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से एक वीडियो मैसेज जारी किया। सोनम ने कहा- अनशन को 25 दिन बीत गए हैं लेकिन अभी तक जिंदा हूं। कुछ सांसद मुझसे मिलने आए, उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की। उन्होंने कहा, 'मुझे अगर सरकार की तरफ से भरोसा मिले तो मै आज ही अनशन खत्म करने को तैयार हूं। बस सरकार छात्रों के खिलाफ कार्रवाई न करे।' कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन में शामिल रहे वांगचुक को 18 जुलाई को जंतर-मंतर से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था। मंगलवार को कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें मेदांता हॉस्पिटल शिफ्ट किया गया है।

हमें आंदोलन का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए : जेपी नड्डा

सदन में सरकार चर्चा के लिए तैयार : जेपी नड्डा

पलटवार

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। NEET पेपर लीक और छात्रों पर लाठीचार्ज को लेकर सियासत तेज है. कल राहुल गांधी ने विपक्षी नेताओं के साथ पीएम हाउस के बाहर धरना दिया. वहीं आज उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार से कई सवाल पूछे. इस बीच अब केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की है. उन्होंने छात्रों की मांगों और पेपर लीक के मुद्दे पर कांग्रेस पर राजनीति करने का आरोप लगाते हुए कहा कि यह बेहद गंभीर विषय है और इसका राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए।

जेपी नड्डा ने कहा कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने संसद में अपने प्रेजेंटेशन के दौरान करीब 150 पेपर लीक मामलों का जिक्र किया है, जिसकी जांच कराई जाएगी और सच देश के सामने लाया जाएगा।

» (शेष पेज 06 पर)

नड्डा बोले- राहुल बताएं कांग्रेस सरकारों में पेपर लीक क्यों, राहुल ने कहा था- 10 साल में 152 पेपर लीक हुए

विपक्षी सांसदों का धरना वांगचुक से मिलने की नहीं मिली इजाजत

वांगचुक बोले- 25 दिन बीते, अभी भी जिंदा हूं

अपील

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक ने बुधवार शाम गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल से एक वीडियो मैसेज जारी किया। सोनम ने कहा- अनशन को 25 दिन बीत गए हैं लेकिन अभी तक जिंदा हूं। कुछ सांसद मुझसे मिलने आए, उन्होंने भूख हड़ताल खत्म करने की अपील की।

उन्होंने कहा, 'मुझे अगर सरकार की तरफ से भरोसा मिले तो मै आज ही अनशन खत्म करने को तैयार हूं। बस सरकार छात्रों के खिलाफ कार्रवाई न करे।' वांगचुक पिछले 25 दिनों से भूख हड़ताल पर हैं। उन्हें पहले जंतर-मंतर से दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया था। मंगलवार को कोर्ट के आदेश के बाद उन्हें मेदांता हॉस्पिटल शिफ्ट किया गया है। यहीं उनका इलाज चल रहा है। इससे पहले 15 विपक्षी सांसद उनसे मिलने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। 55 विपक्षी सांसदों ने वांगचुक को पत्र लिखकर अनशन खत्म करने की अपील की है। इनमें आम आदमी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल , समाजवादी पार्टी और झारखंड मुक्ति मोर्चा के सांसद शामिल हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

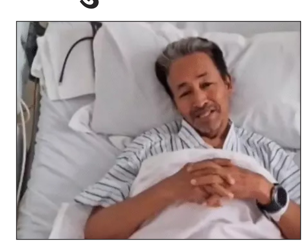

- सरकार से भरोसा मिला तो आज ही अनशन तोड़ूंगा:वांगचुक
- जंतर-मंतर पर कॉकरोच पार्टी का धरना जारी

फास्ट न्यूज

नीति आयोग के सीईओ बने अनुराग जैन

भोपाल। मध्य प्रदेश के निवर्तमान मुख्य सचिव अनुराग जैन को नीति आयोग का मुख्य कार्यकारी अधिकारी (CEO) नियुक्त किया गया है। अपॉइंटमेंट कमेटी ऑफ द कैबिनेट (ACC) ने बुधवार शाम इसका आदेश जारी किया।

धमकी जंग

ट्रम्प की चेतावनी- अब होर्मुज में हमला मत करना

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने एक बार फिर ईरान को बमबारी की धमकी दी है। ट्रम्प ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट में एक भी जहाज पर हमला हुआ तो ईरान में पुल और बिजली घरों को उड़ा देंगे। इसमें तेहरान की राजधानी के अंदर या उसके पास मौजूद पुल और बिजलीघर भी शामिल होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर लिखा, अब से अगर ईरान होर्मुज स्ट्रेट में किसी भी जहाज पर मिसाइल, रॉकेट, ड्रोन या किसी अन्य हथियार से हमला करता है, तो अमेरिका जवाब में ईरान के एक पुल या बिजलीघर को बम से उड़ा देगा।

मोदी से मिले शरद पवार, बेटी सुप्रिया भी साथ थीं

नई दिल्ली। शरद पवार ने बुधवार सुबह PM नरेंद्र मोदी से संसद भवन में मुलाकात की। इस मौके पर बेटी सुप्रिया सुले भी उनके साथ रहीं। पीएम ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। शरद पवार ने मोदी को एक पत्र भी सौंपा। यह बैठक करीब 20 मिनट चली।

'कॉकरोचों' पर लाठीचार्ज सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार

चीफ जस्टिस बोले- वीडियो देखने का वक्त नहीं

मांग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। बुधवार को एक वकील ने CJI की अगुआई वाली 3 जजों की बेंच के सामने जनहित याचिका लगाई थी। CJI सूर्यकांत ने कहा, 'हमें वीडियो देखने में कोई रुचि नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है।' जब वकील ने छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो देखने का दूसरी बार अनुरोध किया तो CJI ने कहा, 'हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए।' बता दें कि 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान CJI ने कहा था, 'कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या RTI एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं।'

» (शेष पेज 06 पर)

- दिल्ली हाईकोर्ट का भी तत्काल सुनवाई से इनकार
- सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने कहा- लाठीचार्ज की जांच हो

सीईओ का चयन महीनेभर बाद, राम मंदिर ट्रस्ट की बैठक में कई अहम फैसले

अयोध्या। रामनगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की अहम बैठक हुई। इस बैठक में कई बड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। जो भी खामियां थी उन पर चर्चा हुई। बैठक में फैसला हुआ कि राम मंदिर ट्रस्ट का एक प्रवक्ता नियुक्त होगा। सीईओ का चयन एक महीने बाद होगा। एक धार्मिक समिति का गठन किया गया है। धार्मिक समिति के अध्यक्ष गोविंद देवगिरी होंगे। धार्मिक समिति में वासुदेवानंद सरस्वती, विश्वप्रसन्नतीर्थ, दिनेन्द्र दास, कमलनयनदास, राजकुमारदास, रामानंददास और मिथिलेश नंदनी शरण नाम शामिल किया गया है। बैंक की कार्यप्रणाली पर नाराजगी जताई गई। वित्तीय कमेटी समीक्षा कर निर्णय लेगी।

राहुल समेत कांग्रेस सांसद काले कपड़े पहनकर पहुंचे, हंगामे के बीच दोनों सदन कल तक स्थगित

प्रधान इस्तीफा दें फिर चर्चा करेंगे : खड़गे

नारेबाजी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को विपक्ष ने कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थकों पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर हंगामा किया। हंगामे के बीच लोकसभा-राज्यसभा को गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया है। सदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने लोकसभा में कहा कि सरकार पिछले तीन दिनों से लगातार NEET पेपर लीक के मुद्दे पर चर्चा की पेशकश कर रही है। लेकिन विपक्ष मुद्दे पर राजनीति कर रहा है। राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी सांसद काले कपड़े पहनकर संसद पहुंचे। विपक्षी पार्टियां 20 जुलाई के संसद मार्च के दौरान छात्रों पर पुलिस कार्रवाई, पेपर लीक का विरोध कर रही हैं।

» (शेष पेज 06 पर)

राज्यसभा में मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि, वे सदन में नीट पेपर लीक मामले में चर्चा तभी चाहते हैं जब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दे दें।

काले कपड़ों में विपक्षी सांसदों ने संसद के बाहर नारेबाजी की।

राजनाथ बोले- विपक्ष युवाओं को राजनीतिक हथियार न बनाएं

राजनाथ सिंह ने कहा- दिल्ली में जारी विरोध-प्रदर्शन गंभीर चिंता का विषय हैं। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश के छात्रों और युवाओं को कुछ लोग अपने राजनीतिक स्वार्थों की पूर्ति के लिए एक राजनीतिक औजार के रूप में इस्तेमाल करने का प्रयास कर रहे हैं। हमारे छात्रों की हर चिंता को सुनना और उसका समाधान करना हमारी जिम्मेदारी है।मुझे पूर्ण विश्वास है कि भारत के जागरूक, परिपक्व और विवेकशील युवा ऐसे भ्रामक प्रयासों को भली-भांति समझते हैं और वे प्रगति, विकास तथा राष्ट्रनिर्माण के मार्ग को ही चुनेंगे।

संबोधन : योगी बोले-दोनों देश में झूठ फैला रहे, हमें इन्हें बेनकाब करना होगा

'साजिश करके सपा-कांग्रेस ने छात्रों को बदनाम किया'

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार शाम 495 करोड़ रुपये की लागत वाले गोड़धोइया नाला परियोजना (पक्का नाला निर्माण, डायवर्जन, इंटरसेप्शन और ट्रीटमेंट की परियोजना) के कार्यों का दो स्थानों (फातिमा हॉस्पिटल के पास और जेल बाईपास के समीप) पर स्थलीय निरीक्षण किया। इस अवसर पर जेल बाईपास पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि सपा शासन में भूमाफियाओं ने सरकारी जमीनों पर गलत इंदराज कर लोगों को ठगा था। उन्हें बरगलाकर जमीनें बेची थीं। भाजपा सरकार ने जब गोड़धोइया नाला परियोजना शुरू की तो ऐसी जमीन खरीदने वालों को सम्मानजनक मुआवजा दिया है।

» (शेष पेज 06 पर)

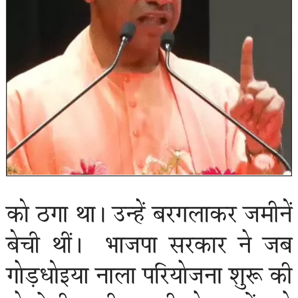

गोड़धोइया नाला परियोजना के कार्यों का दो स्थानों पर निरीक्षण कर जनसभा को संबोधित किया मुख्यमंत्री ने

सपा शासन में भूमाफियाओं ने सरकारी जमीनों पर गलत इंदराज कर लोगों को बरगलाकर जमीनें बेची थीं : मुख्यमंत्री

सम्मेलन का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर किया गया।

सभी नालों का पुनरोद्धार होने पर एक बूंद पानी भी नहीं जमा होगा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब गोड़धोइया नाले का पुनरोद्धार नहीं हुआ था तो गोरखपुर महानगर उत्तरी क्षेत्र के 17 वार्ड बारिश में जलमग्न हो जाते थे। अब इस नाले को देखकर ऐसा लगता है कि जैसे कोई नदी बह रही है। उन्होंने कहा कि इस नाले को पुनर्जीवित किया गया है। इसी का परिणाम है कि विगत दिनों 15 घंटे हुई मूसलाधार बारिश में भी उत्तर दिशा में जल भराव नहीं हुआ, इस नाले ने सारा पानी खींच लिया।

» (शेष पेज 06 पर)

"सपा शासन में भूमाफियाओं ने लोगों को ठगा, हमने दिया सम्मानजनक मुआवजा : सीएम योगी"

कश्मीर के अनंतनाग में आतंकी हमला, हेड कॉन्स्टेबल की मौत

अमरनाथ यात्रियों की सुरक्षा में तैनात थे

हमला

तमसा संकेत, एजेंसी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग के लाल चौक इलाके में बुधवार को आतंकियों ने पुलिस पर हमला किया। इसमें हेड कॉन्स्टेबल (35 साल) की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक दोपहर करीब 12:30 बजे आतंकियों ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों पर अचानक फायरिंग की।

सुरक्षाबलों ने जवाबी कार्रवाई की, जिसके बाद दोनों तरफ से गोलियां चलीं। इस दौरान हेड कॉन्स्टेबल आशिक हुसैन कुरैशी जख्मी हो गए। उन्हें तुरंत सरकारी मेडिकल कॉलेज (GMC) अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हमले के बाद आतंकी भाग गए। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) ने हमले की जिम्मेदारी ली है। जिस जगह फायरिंग हुई, वह शहर का मुख्य बाजार है। यहां आम दिनों में भी काफी भीड़ रहती है।

» (शेष पेज 06 पर)

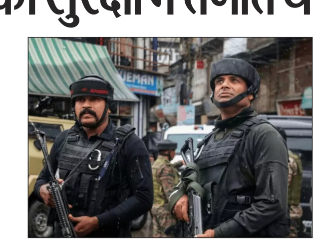

लश्कर से जुड़े आतंकी संगठन ने जिम्मेदारी ली

यूपी में शारदा नदी खतरे के निशान के पार

अलर्ट

गांवों में घुसा पानी, चलती बाइक पर पेड़ गिरने से युवक की मौत 3 शहरों में बारिश

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी में पिछले 10 दिनों से हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। लखीमपुर खीरी में शारदा नदी खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। किनारों पर बसे गांवों में पानी घुस गया है। हालात ऐसे हैं कि सड़कों और खेतों में मगरमच्छ दौड़ते दिखाई दे रहे हैं।

सोनभद्र में घाघरा नदी का पानी बढ़ने से जिला जेल की सड़क बह गई। गोंडा में घाघरा नदी का जलस्तर चेतावनी के निशान से ऊपर पहुंच गया है। वाराणसी में गंगा का जलस्तर एक हफ्ते में 10 फीट बढ़ गया है। अस्सी घाट से नमो घाट तक 50 छोटे-बड़े मंदिर पानी में डूब गए हैं। बुधवार सुबह से नोएडा में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। लखनऊ, कानपुर, आगरा समेत 50 शहरों में बादल छाए हैं। बीच-बीच में धूप निकल रही है। आज सभी 75 जिलों में बारिश का अलर्ट है। 10 शहरों में भारी बारिश हो सकती है। इससे पहले, मंगलवार को लखनऊ, प्रयागराज समेत 63 जिलों में बारिश हुई। उन्नाव में तेज हवा की वजह से चलती बाइक पर पेड़ गिर गया। युवक की गर्दन टूट गई। मौके पर ही तड़प-तड़पकर उसकी मौत हो गई। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-बंगाल की खाड़ी में बने लो प्रेशर एरिया के कमजोर पड़ने से पिछले 3-4 दिन यूपी में भारी बारिश हुई।

गोंडा में जोरदार बारिश, अगले 3 घंटे में आंधी-तूफान का अलर्ट

गोंडा में बुधवार दोपहर 12 बजे से ही मूसलाधार बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने अगले 3 घंटे को लेकर येलो अलर्ट जारी किया है।

गोंडा में घाघरा नदी खतरे के निशान के करीब, 28 बाढ़ चौकियां हाईअलर्ट पर

गोंडा में घाघरा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। बुधवार सुबह 10:30 बजे यह खतरे के निशान से महज 17 सेंटीमीटर नीचे बह रही थी। करनैलगंज और तरबगंज तहसील के तटीय इलाकों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। नदी के जलस्तर पर 24 घंटे निगरानी रखी जा रही है, जबकि जिले की सभी 28 बाढ़ चौकियों को हाईअलर्ट मोड पर सक्रिय कर दिया गया है। नवाबगंज क्षेत्र में सबसे ज्यादा कटान हो रहा है, जहां नदी अस्थायी मकानों और कृषि भूमि को अपनी चपेट में ले रही है। बुधवार सुबह 10 बजे गिरजा, शारदा और सरयू बैराज से कुल 2,73,798 क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जिसमें गिरजा बैराज से 1,23,073, शारदा बैराज से 1,46,172 और सरयू बैराज से 4,553 क्यूसेक पानी शामिल है।

कानपुर देहात में नहर में मगरमच्छ आ गया। वन विभाग ने उसे रेस्क्यू कर नदी में छोड़ा।

नोएडा में बुधवार सुबह से रिमझिम बारिश हो रही है। आसमान में काले घने बादल छाए हैं। दिन में भी अंधेरे जैसा माहौल है। आज अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस तक जाएगा। न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक, दिनभर रिमझिम बारिश होने की उम्मीद है। आगामी दो दिन तक भी बारिश के आसार हैं।

भाजपा नेता के घर से चोरी स्कॉर्पियो बिहार में मिली

गाड़ी से शराब तस्करी का धंधा कर रहे थे चोर

तमसा संकेत, एजेंसी

गोरखपुर । गोरखपुर के भाजपा नेता के भाई की स्कार्पियो से शराब तस्करी की जा रही थी। शाहपुर क्षेत्र से 11 जुलाई को गाड़ी चोरी हुई थी। इस मामले में बुधवार को पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर बिहार के गोपालगंज जिले से चोरी की गई स्कार्पियो और घटना में इस्तेमाल हुई कार बरामद कर लिया। आरोपियों से पूछताछ में तस्करी करने की बात सामने आई। जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने साफ्टवेयर की मदद से कुछ ही मिनटों में स्कार्पियो का लॉक खोलकर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस अब गिरोह के अन्य सदस्यों और वाहन चोरी की अन्य घटनाओं में उनकी संलिप्तता की जांच कर रही है। आरोपियों की पहचान बिहार सिवान के बडहरिया थाना क्षेत्र के दिलीप कुमार चौहान, सिवान के दरौदा थाना के भीखा बांद निवासी मुन्ना हाशमी और जामो बाजार थाना क्षेत्र के दीपक यादव के रूप में हुई। इसमे मुख्य आरोपी दिलीप कुमार चौहान पर 19 मुकदमे गोरखपुर, देवरिया, कुशीनगर, संतकबीरनगर, सिद्धार्थनगर और बलरामपुर के थानों में दर्ज हैं। दिलीप ने ही चोरी की योजना बनाई थी। पुलिस लाइन के व्हाइट हाउस में प्रेस कांफ्रेंस करते हुए एसपी सिटी निमिष पाटील ने बताया कि शाहपुर थाना क्षेत्र के घोसीपुरवा निवासी भाजपा नेता एवं पूर्व पार्षद मंतालाल यादव के भाई अभयनंदन यादव की स्कार्पियो 11 जुलाई की भोर में उनके घर के बाहर से चोरी हो गई थी।

फास्ट न्यूज

विधायक ने प्रेस कांफ्रेंस कर सीएम को जवाब दिया

बाराबंकी। बाराबंकी में सीएम योगी आदित्यनाथ के बयान के बाद राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। सीएम ने महादेवा की जनसभा में कहा था कि रामनगर के विधायक विकास योजनाओं को लेकर उनसे मुलाकात नहीं करते। इस पर समाजवादी पार्टी के विधायक और पूर्व मंत्री हाजी फरीद महफूज किदवई ने पलटवार किया है।

वाराणसी में पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन

वाराणसी। पेपर लीक मामले और दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को वाराणसी में छात्र और राजनीतिक संगठनों का प्रदर्शन तेज हो गया। बीएचयू, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ और जिला मुख्यालय समेत कई स्थानों पर विरोध प्रदर्शन जारी है। स्थिति को देखते हुए बीएचयू और काशी विद्यापीठ को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया है। 5 थानों की पुलिस, पीएसी और प्रशासनिक अधिकारी तैनात हैं। परिसर और आसपास के इलाकों की ड्रोन से निगरानी की जा रही है। कई स्थानों पर बैरिकेडिंग कर प्रदर्शनकारियों को आगे बढ़ने से रोका गया।

शंकराचार्य बोले- देश तानाशाही की ओर बढ़ रहा

गोरखपुर। गोरखपुर ग्रामीण से 81 दिन पहले शुरू हुई शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद की गविष्ट यात्रा का आज समापन हो गया। रामजानकी नगर के एक मैरिज हॉल में मीडिया से बातचीत में शंकराचार्य ने कहा- देश तानाशाही की ओर बढ़ रहा है। अब इसे सरकार उत्तर कोरिया बनाना चाहती है। छात्र तो अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं।

धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका पीएम के विरोध में नारेबाजी

युवजन सभा के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। दिल्ली के जंतर-मंतर पर युवाओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को प्रयागराज में समाजवादी युवजन सभा अंबेडकर वाहिनी के कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। सिविल लाइंस में सुभाष चौराहे पर शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का पुतला फूंका।

साथ ही पीएम मोदी के विरोध में भी नारे लगाए। इस दौरान पुतला छीनने की कोशिश पर उनकी पुलिसकर्मियों से धक्कामुक्की भी हुई। दोपहर एक बजे के करीब कार्यकर्ताओं-पदाधिकारी जुलूस की शक्ल में सुभाष चौराहे पहुंचे। वह छात्रों पर लाठीचार्ज नहीं सहेंगे, धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो जैसे नारे लगा रहे थे। सुभाष चौराहे पर पहुंचकर उन्होंने नारेबाजी तेज कर दी। इस दौरान कुछ कार्यकर्ता चौराहे के पास खड़ी गाड़ी से पुतला निकालने पहुंचे। पुलिसकर्मियों ने देखा तो पुतला छीनने की कोशिश की। इस पर कार्यकर्ताओं से उनकी धक्कामुक्की होने लगी। करीब 15 मिनट तक धक्कामुक्की चलती रही। हालांकि कार्यकर्ताओं की संख्या ज्यादा होने के चलते पुलिसकर्मी नाकाम रहे और इसके बाद मौका पाते ही कार्यकर्ताओं ने पुतला चौराहे पर लाकर इसे आग के हवाले कर दिया।

सपा सरकार के पांच साल के दौरान मिले थे 4,700 करोड़, अब विभाग ने हासिल किया कई गुना अधिक राजस्व

अवैध खनन पर शिकंजे ने बढ़ाया सरकारी खजाना

ई-नीलामी, एआई निगरानी व जीरो टॉलरेंस से बदली तस्वीर, खनन विभाग बना सुशासन का मॉडल

- योगी सरकार की सख्ती और निरंतर निगरानी का असरः 9 साल में खनन राजस्व 30 हजार करोड़ रुपये के पार
- तकनीक के इस्तेमाल और कड़ाई से टूटा खनन माफियाओं का नेटवर्क, 66 अवैध खनन स्थलों पर हुई कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। योगी सरकार भ्रष्टाचार के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति पर प्रमुखता से काम कर रही है। सरकार प्रशासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और तकनीक के अधिकतम उपयोग को बढ़ावा दे रही है। इसके साथ भ्रष्टाचार के मामलों में त्वरित जांच व सख्त कार्रवाई पर जोर दिया जा गया। इसके चलते राज्य के खजाने में बढ़ोतरी हो रही है। उत्तर प्रदेश का भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग इसका ताजा उदाहरण बनकर सामने आया है। विभाग में योगी सरकार के 9 वर्षों में 30 हजार करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ है। यह सपा सरकार के कार्यकाल में महज 4,700 करोड़ रुपये तक सीमित था। वहीं योगी सरकार में विभाग ने प्रदेश में 66 अवैध खनन क्षेत्रों की पहचान कर कार्रवाई की।

उत्तर प्रदेश भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग की सचिव एवं निदेशक माला श्रीवास्तव ने कहा कि यह उपलब्धि केवल राजस्व वृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि पारदर्शी नीलामी, आधुनिक तकनीक के उपयोग, अवैध खनन पर सख्ती, डिजिटल सेवाओं के विस्तार व प्रभावी निगरानी व्यवस्था के कारण संभव हो सकी है। विभाग की प्राथमिकता है कि हर स्तर पर प्रक्रिया को पारदर्शी बनाया जाए, जिससे प्रदेश की अर्थव्यवस्था में भागीदारी बढ़ सके। वित्तीय वर्ष 2022-23 से अब तक प्रमुख खनिजों के 10 ब्लॉकों का कंपोजिट लाइसेंस व 3 ब्लॉकों की खनन पट्टों की सफल ई-नीलामी कर आवंटन किया गया, जिससे राजस्व के नए स्रोत विकसित हुए।

अवैध खनन पर तकनीकी निगरानी

अवैध खनन पर प्रभावी कार्यवाही के लिए निदेशालय में नई तकनीक पर आधारित पीजीआरएस प्रयोगशाला की स्थापना की गई। इस प्रयोगशाला में गूगल अर्थ की मदद से लगातार जांचकर अब तक 66 स्थानों पर अवैध खनन का पता लगाकर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की गई। इस कार्रवाई से 2.19 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व प्राप्त हुआ। इसके साथ अवैध खनन से जुड़े अपराधियों का नेटवर्क भी खत्म किया गया।

सपा सरकार के मुकाबले कई गुना अधिक बढ़ा राजस्व

आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2012 से 2017 के बीच सपा सरकार के कार्यकाल में खनन से कुल 4,700 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था, जबकि वर्ष 2017 से 2026 के बीच योगी सरकार के 9 वर्षों में यह बढ़कर 30,524 करोड़ रुपये पहुंच गया। इस प्रकार योगी सरकार में खनन राजस्व में गुना ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई है। इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' की नीति का प्रमुखता से पालन किया गया।

15 दिनों से खाद के लिए भटक रहे किसान, क्षेत्र में धान की फसल अब बढ़वार के महत्वपूर्ण दौर में

निजी दुकानदार उठा रहे फायदा मशीन का सर्वर ठप

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। खाद को लेकर इन दिनों किसानों का दर्द सामने आने लगा है। धान की रोपाई के बाद हुई लगातार बारिश के बीच किसानों को यूरिया खाद की सख्त जरूरत है, लेकिन सहकारी समितियों पर मशीनों का सर्वर ठप होने से किसान पिछले करीब 15 दिनों से खाद के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। समितियों पर पर्याप्त खाद उपलब्ध होने के बावजूद तकनीकी खराबी के कारण वितरण सुचारु रूप से नहीं हो पा रहा है। जिसको लेकर किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

इस स्थिति का लाभ उठाकर निजी दुकानदार किसानों को अधिक कीमत पर यूरिया बेच रहे हैं। क्षेत्र में धान की फसल अब बढ़वार के महत्वपूर्ण दौर में है। लगातार तीन दिनों की बारिश के बाद किसानों को समय पर यूरिया डालना आवश्यक है, लेकिन सहकारी समितियों पर लगी बायोमेट्रिक मशीनों का सर्वर सही ढंग से काम नहीं कर रहा है। इसके चलते पूरे दिन में केवल कुछ ही किसानों को खाद मिल पा रही है, जबकि अधिकांश किसान घंटों लाइन में लगने के बाद मायूस होकर वापस लौट रहे हैं। किसानों ने सरकार, जिला प्रशासन और कृषि विभाग से मांग की है कि सहकारी समितियों पर मशीनों के सर्वर की समस्या का तत्काल समाधान कराया जाए, ताकि किसानों को समय पर खाद उपलब्ध हो सके।

> **“बुधवार को विझला सहकारी समिति दोपहर करीब 12 बजे बंद मिली, जिससे किसानों में और अधिक नाराजगी देखने को मिली । किसानों का कहना है कि खेती का यह समय बेहद अहम है। यदि समय पर यूरिया नहीं मिली तो धान की फसल की बढ़वार प्रभावित होगी और उत्पादन में भारी गिरावट आ सकती है।**

खाद का वितरण संभव नहीं

क्षेत्र के किसान सुशील कुमार, अजय कुमार, देवराज, चमन वर्मा, अमरेन्द्र कुमार, दिनेश कुमार, सुधीर, रामविनय, उर्मिला, राजकुमारी, सावित्री, कमलेश, राकेश, प्रमोद, लज्जावती, विनोद, शैलेंद्र, मोहन और मनोरथ सहित सैकड़ों किसानों ने बताया कि वे पिछले लगभग 15 दिनों से लगातार सहकारी समितियों के चक्कर लगा रहे हैं। हर बार उन्हें यही जवाब मिलता है कि मशीन का सर्वर नहीं चल रहा है, इसलिए खाद का वितरण संभव नहीं है।

किसानों ने आरोप लगाया कि एक ओर सरकारी सहकारी समितियों पर खाद उपलब्ध होने के बावजूद तकनीकी समस्या के कारण वितरण नहीं हो पा रहा है, वहीं दूसरी ओर निजी दुकानदार इस स्थिति का फायदा उठाकर यूरिया ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। मजबूरी में किसानों को अधिक कीमत देकर निजी दुकानों से खाद खरीदनी पड़ रही है, जिससे खेती की लागत लगातार बढ़ रही है।

‘राहुल गांधी के खून का हिसाब देश का युवा लेगा’

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेता बुधवार को छात्रों की गूंज कार्यक्रम में शामिल होने प्रयागराज पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रहे युवाओं पर हुए लाठीचार्ज को लेकर केंद्र सरकार पर जोरदार हमला बोला।

कहा- जिस तरह से पीएम मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की पुलिस ने बर्बरता की, उसे पूरे देश ने देखा। छात्र-छात्राओं के साथ ही नेता प्रतिपक्ष के साथ जो व्यवहार हुआ, वह देश के इतिहास में काला अध्याय है। राहुल गांधी के खून का हिसाब अब पूरे लोकतांत्रिक तरीके से इस देश का युवा लेगा।

कॉकरोच जनता पार्टी के आंदोलन को हैक करने के लिए प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन के आरोपों पर बोलीं, कि आंदोलन करना और अपनी आवाज उठाना लोगों का मौलिक अधिकार है तथा हालिया छात्र आंदोलन किसी राजनीतिक दल का नहीं, बल्कि अपने भविष्य को बचाने के लिए संघर्ष कर रहे युवाओं का आंदोलन है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार छात्रों के बीच जाकर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने कोटा, देहरादून और मुखर्जी नगर सहित कई स्थानों पर छात्रों से संवाद कर उनकी समस्याओं को समझने और समाधान खोजने का प्रयास किया है।

- प्रयागराज में बोलीं- कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत, पीएम छुई-मुई तो झोला उठाकर जाएं

सुनवाई : इलाहाबाद हाईकोर्ट बोला-सरकार कानून में बदलाव करे, ताकि दोषियों को मौत की सजा मिले

राममंदिर चढ़ावा चोरी नैतिक पतन की पराकाष्ठा : इलाहाबाद हाईकोर्ट

- राज्य सरकार आरोपियों के घर इसलिए ढहा रही, जिससे 'बुलडोजर न्याय की' आदत डाल दे। शायर बशीर बद्र का शेर है- लोग टूट जाते हैं एक घर बनाने में, तुम तरस नहीं खाते बस्तियां जलाने में। -जस्टिस अतुल श्रीधरन

जज अतुल श्रीधरन

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । राममंदिर चढ़ावा चोरी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज ने कहा कि यह घटना भारतीय समाज के नैतिक पतन की पराकाष्ठा है। उन्होंने सुझाव दिया कि सरकार को कानून में बदलाव करना चाहिए, ताकि करप्शन के दोषियों को मौत की सजा दी जा सके।

हाईकोर्ट जस्टिस अतुल श्रीधरन ने यह टिप्पणी तब की, जब वे एक केस में बुलडोजर एक्शन पर सुनवाई कर रहे थे। उनके साथ बेंच में जस्टिस जस्टिस सिद्धार्थ नंदन भी मौजूद थे। जस्टिस अतुल श्रीधरन ने कहा-राममंदिर चढ़ावा चोरी से भी अगर किसी को फर्क नहीं पड़ता तो उसे किसी भी बात से शर्म नहीं आ सकती है। यह घटना हमारे समाज के नैतिक पतन की पराकाष्ठा को दिखाती है।

जस्टिस श्रीधरन ने कहा, आम भारतीय ने करप्शन को सामान्य मान लिया है। वजह तब तक इसे गलत नहीं मानता, जब तक कोई पकड़ा न जाए। ट्रांसपेरेंसी की लिस्ट में भारत दुनिया के 182 देशों में 91वें नंबर पर है, इससे भी हमें शर्म नहीं आती। 7 जून को पूर्व सपा मंत्री पवन पांडेय ने राम मंदिर के चढ़ावे से 5 से 7.5 करोड़ रुपए की चोरी का दावा किया था।

बुलडोजर एक्शन पर सुनवाई कर रहे थे जज

हाईकोर्ट की न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की पीठ एक मामले में बुलडोजर एक्शन पर सुनवाई कर रही थी। यह याचिका हमीरपुर के रहने वाले फैमुद्दीन एवं अन्य की ओर से दायर की गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि उनके रिश्तेदार आफान खान के खिलाफ पॉक्सो एक्ट और यूपी अवैध धर्म परिवर्तन अधिनियम समेत कई धाराओं में एफआईआर दर्ज की गई थी।

इसके बाद से पुलिस और स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत से उनकी संपत्तियों को निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने कोर्ट से अपनी संपत्ति की सुरक्षा देने की मांग की थी। उनका तर्क था कि केवल एफआईआर के आधार पर किसी की संपत्ति के खिलाफ कार्रवाई गलत है।

हालांकि, इस मामले में जज अतुल श्रीधरन की बातों से न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन का मत अलग था। इसके चलते केस को तीसरे जज से सुनवाई कराने के लिए रेफर कर दिया गया।

राममंदिर केस में सुप्रीम कोर्ट का आदेश- नई एसआईटी बने

अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 20 जुलाई को दोबारा SIT बनाने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस (CJI) सूर्यकांत ने कहा- नए सिरे से SIT बनाई जाए। सीनियर IPS अधिकारी टीम की अगुआई करें, ताकि जांच किसी निर्णायक स्तर तक पहुंचे। CJI ने कहा- हम केवल सावधान करना चाहते हैं। इस मामले में राजनीति न करें। पहली नजर में यह दंड कानून के तहत अपराध का मामला लगता है। इसकी निष्पक्ष, स्वतंत्र और पूरी ईमानदारी से जांच होनी चाहिए। जांच को उसके तार्किक निष्कर्ष तक पहुंचाया जाना चाहिए। बस हमारी यही बात है।

वीडियो वायरल हुआ तो 9वीं की छात्रा ने जान दी दोस्त के साथ कैफे गई थी

तमसा संकेत, एजेंसी

बरेली। बरेली में दोस्त के साथ कैफे गई 17 साल की लड़की का वीडियो वायरल हो गया। इसके बाद उसकी गांव में बदनामी होने लगी। इससे परेशान होकर लड़की ने बुधवार सुबह 7 बजे फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। वह कक्षा-9 में पढ़ती थी और गांव में ही एक लेडी डॉक्टर की क्लिनिक पर काम करती थी।

भाई ने आरोप लगाया कि महिला डॉक्टर भोली-भाली हिंदू लड़कियों को अपने जाल में फंसाकर उनका धर्म परिवर्तन कराती है। उसने ही जान-पहचान के मुस्लिम लड़कों को बुलाकर बहन का उनसे परिचय कराया था।

भाई ने पुलिस को शिकायत देकर गैंगरेप, धमकी और वीडियो वायरल करने के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस ने महिला डॉक्टर, ब्लू डायमंड होटल के मालिक और अन्य आरोपियों के खिलाफ जांच शुरू कर दी है।

वायरल हुए वीडियो में लड़की मास्क पहने दिख रही है। वहीं, कार्यकर्ता युवकों से पूछताछ कर रहे हैं। वीडियो में कैफे का स्टॉफ बीच-बचाव करते भी नजर आ रहा है। कार्यकर्ताओं ने बाद में वही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। छात्रा के भाई ने बताया- वीडियो वायरल होने के बाद मेरी बहन की गांव में बदनामी होने लगी। इससे डरकर वह अपने कमरे में फंदा बनाकर उससे लटक गई।

भाई का आरोप- होटल में बहन के साथ गैंगरेप किया गया

बिथरी चैनपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में किसान का परिवार रहता है। परिवार में मां, 2 बेटे और एक बेटी थी। लड़की के भाई का आरोप है- स्कूल से लौटने के बाद मेरी बहन गांव में ही एक मुस्लिम महिला डॉक्टर की क्लिनिक पर काम सीखने जाती थी। इसी दौरान डॉक्टर की मदद से गांव के एक युवक ने बहन को अपने प्रेमजाल में फंसा लिया था। इसके बाद दोनों एक-दूसरे से मिलने-जुलने लगे थे।

पेपर लीक विवाद पर ओपी राजभर का विपक्ष पर पलटवार, सपा-कांग्रेस को घेरा

‘आंदोलन से पहले अपने कार्यकाल का रिकॉर्ड देखें’

कटाक्ष

बृजेंद्र वीर सिंह

अम्बेडकरनगर पहुंचे मंत्री बोले- छात्रों के हित में पारदर्शी परीक्षा जरूरी

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। दिल्ली में पेपर लीक के मुद्दे को लेकर विपक्षी दलों के प्रदर्शन के बीच प्रदेश सरकार के मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने सपा और कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। अम्बेडकरनगर पहुंचे मंत्री ने विपक्ष के आंदोलन को लेकर सवाल उठाए और कहा कि परीक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग करना ठीक है, लेकिन इस मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए।

ओपी राजभर ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि उसके शासनकाल में नकल और पेपर लीक को लेकर आरोप लगते रहे हैं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, "सूप तो सूप, चलनी भी बोल रही है, जिसके 72 छेद हैं।"नीट परीक्षा को लेकर उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने कड़ी निगरानी के बीच परीक्षा कराई और व्यवस्था को मजबूत बनाने के प्रयास किए गए। दिल्ली में हुए प्रदर्शन पर मंत्री ने आरोप लगाया कि पेपर लीक के मुद्दे को लेकर पहुंचे कुछ लोगों ने प्रदर्शन के दौरान अलग माहौल बनाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि आंदोलन का उद्देश्य छात्रों की समस्या उठाना होना चाहिए। ओपी राजभर ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान जब स्थिति बिगड़ने लगी तो विपक्षी दलों के नेता पीछे हट गए। उन्होंने सपा, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा कि केवल आरोप लगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, बल्कि परीक्षा व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम जरूरी हैं।

ओम प्रकाश राजभर ने कांग्रेस को भी घेरते हुए कहा कि उसके शासनकाल में भी पेपर लीक के मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि कोई भी दल खुद को पूरी तरह बेदाग नहीं बता सकता।

‘छात्रों की मांग सही, लेकिन विपक्ष कर रहा राजनीति’

मंत्री ने कहा कि छात्रों की यह मांग जायज है कि परीक्षाएं निष्पक्ष हों और पेपर लीक जैसी घटनाओं पर रोक लगे। उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य से जुड़ा मामला होने के कारण परीक्षा व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही जरूरी है। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि सपा और कांग्रेस इस मुद्दे को राजनीतिक रूप देने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिन दलों के कार्यकाल में परीक्षा व्यवस्था को लेकर सवाल उठे, उन्हें भी अपनी भूमिका पर विचार करना चाहिए।

मिठाई में कीड़ा मिलने से बंगाल स्वीट्स की स्वच्छता व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

अकबरपुर के प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान में ग्राहक की शिकायत के बाद खाद्य गुणवत्ता को लेकर बढ़ी चिंता, जांच की मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर के प्रतिष्ठित बंगाल स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट की मिठाई में कीड़ा मिलने का मामला सामने आया है। घटना के बाद प्रतिष्ठान में तैयार होने वाले खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, साफ-सफाई और रखरखाव व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं।

बताया जा रहा है कि ग्राहक ने मिठाई में कीड़ा मिलने की शिकायत की। इसके बाद खाद्य सामग्री की सुरक्षा को लेकर लोगों में नाराजगी देखने को मिली। ग्राहकों का कहना है कि मिठाई और खाने-पीने की वस्तुओं में गुणवत्ता से जुड़ी किसी भी तरह की लापरवाही स्वास्थ्य के लिए गंभीर समस्या बन सकती है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बंगाल स्वीट्स एंड रेस्टोरेंट में रोजाना बड़ी संख्या में ग्राहक मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थ खरीदने पहुंचते हैं। प्रतिष्ठान की पहचान और ग्राहकों की संख्या को देखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, साफ-सफाई और सुरक्षित भंडारण व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना जरूरी है। लोगों का कहना है कि जब किसी प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान की मिठाई में कीड़ा मिलने जैसी शिकायत सामने आती है तो इससे ग्राहकों के भरोसे पर भी असर पड़ता है। खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वाले प्रतिष्ठानों को निर्धारित स्वच्छता मानकों का पालन करना चाहिए। खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता में किसी भी तरह की कमी सीधे लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। मिठाई या अन्य खाने-पीने की वस्तुओं में खराबी, गंदगी या कीड़े मिलने जैसी शिकायतें सामने आने पर संक्रमण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। ऐसे में खाद्य प्रतिष्ठानों की जिम्मेदारी है कि वे साफ-सफाई, सुरक्षित भंडारण और खाद्य मानकों का पूरी तरह पालन करें, ताकि ग्राहकों की सेहत पर कोई प्रतिकूल असर न पड़े।

मामला सामने आने के बाद लोगों ने खाद्य सुरक्षा विभाग से जांच कराने की मांग की है। ग्राहकों का कहना है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की जांच कर यह सुनिश्चित किया जाए कि लोगों की सेहत के साथ किसी भी स्तर पर लापरवाही न हो। लोगों ने मांग की है कि खाद्य प्रतिष्ठानों की नियमित जांच हो और मानकों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ आवश्यक कार्रवाई की जाए।

फास्ट न्यूज

अकबरपुर वृद्धाश्रम में बुजुर्गों को कराया पौष्टिक भोजन

अम्बेडकरनगर। अकबरपुर स्थित वृद्धाश्रम में जीवन आभा फाउंडेशन और राष्ट्रीय पेशवा बाजीराव महासंघ की ओर से बुजुर्गों के लिए पौष्टिक भोजन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारियों और समाजसेवियों ने बुजुर्गों से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। इस मौके पर विपिन दूबे ने कहा कि समाज के लोगों को समय-समय पर वृद्धजनों के बीच पहुंचकर उनके साथ समय बिताना चाहिए।

डीएम ने ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया ने बुधवार को कलेक्ट्रेट परिसर स्थित ईवीएम-वीवीपैट वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ज्योत्स्ना बंधु भी मौजूद रहीं। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी प्रणाली और अन्य सुरक्षा इंतजामों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी सुरक्षा व्यवस्थाएं लगातार सक्रिय और प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए।

आलापुर में जलभराव से बाधित मार्ग बहाल

अम्बेडकरनगर। आलापुर तहसील के ग्राम चहोड़ा में रामनगर से बेदहर जाने वाले मार्ग पर जलभराव की समस्या को प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई कर दूर कराया। सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण चौड़ा घाट की ओर जाने वाले मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो रहा था। मामले की जानकारी मिलने पर जिलाधिकारी के निर्देश पर उपजिलाधिकारी आलापुर ने मौके का निरीक्षण किया।

किछौछा दरगाह पहुंचे बसपा नेता, पेश की चादर

घनश्याम चंद्र खरवार ने मांगी देश में अमन-शांति की दुआ

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। किछौछा शरीफ स्थित हजरत सैयद मखदूम अशरफ जहांगीर सिमनानी की दरगाह पर बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद घनश्याम चंद्र खरवार ने हाजिरी दी। बैंगलोर से आए मौलाना नैय्यर आलम के साथ उन्होंने दरगाह पर चादर, फूल और इत्र पेश कर दुआ की।

दरगाह पर फातिहा के बाद नेताओं ने देश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली की कामना की। इसके साथ ही प्रदेश की तरक्की और सामाजिक सौहार्द बनाए रखने के लिए दुआ की गई।

दरगाह पर मौजूद बसपा नेताओं ने वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में बहुजन समाज पार्टी की सरकार बनने की कामना भी की।

इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य जाकिर, कमलेश कुमार, आबिद सिद्दीकी, मोहम्मद मातूफ और दबीर अहमद एडवोकेट समेत पार्टी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में नेताओं ने कहा कि किछौछा शरीफ की दरगाह लंबे समय से आपसी भाईचारे और गंगा-जमुनी तहजीब का संदेश देती रही है। उन्होंने समाज में प्रेम, एकता और सौहार्द बनाए रखने पर जोर दिया।

सीएम डैशबोर्ड पर डीएम की सख्ती, लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी लाने के निर्देश

राजस्व वसूली, भूमि विवाद और विकास योजनाओं की समीक्षा

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी ईशा प्रिया की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों और राजस्व मामलों की समीक्षा बैठक हुई। बैठक में लंबित प्रकरणों, राजस्व वसूली और विकास योजनाओं की प्रगति की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

जिलाधिकारी ने वरासत, नामांतरण, खतौनी संशोधन समेत अन्य राजस्व मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने सीएम डैशबोर्ड की प्रगति में सुधार के लिए नियमित निगरानी और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए।

कर-करेत्तर राजस्व वसूली की समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी ने सभी विभागों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति बढ़ाने को कहा।

सीएम डैशबोर्ड पर विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने सभी विभागों को योजनाओं की गुणवत्ता बनाए रखने और जिले की रैंकिंग में सुधार के लिए लगातार प्रयास करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ज्योत्स्ना बंधु, अपर जिलाधिकारी न्यायिक रंजीत सिंह, सभी उपजिलाधिकारी, तहसीलदार और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भूमि विवादों पर राजस्व-पुलिस समन्वय से होगी कार्रवाई

भूमि विवादों और आईजीआरएस से प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने मौके पर सत्यापन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व और पुलिस विभाग के समन्वय से विवादों का स्थायी समाधान सुनिश्चित करने को कहा।

साथ ही सरकारी और सार्वजनिक भूमि से अतिक्रमण हटाने, राजस्व अभिलेखों की शुद्धता बनाए रखने और राजस्व न्यायालयों में लंबित वादों का तेजी से निस्तारण करने के निर्देश दिए गए।

मेडिकल कॉलेज की टीम ने जीती पीडियाट्रिक क्विज

क्लिनिकल ज्ञान और त्वरित उत्तरों पर हुई प्रतियोगिता

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। महामाया राजकीय मेडिकल कॉलेज में इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स की ओर से आयोजित 39वीं यूजी पीडियाट्रिक क्विज में टीम 'सी' ने प्रथम स्थान हासिल किया। जीत के साथ टीम ने डिविजनल राउंड के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है।

सोमवार को आयोजित प्रतियोगिता का शुभारंभ मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. मुकेश यादव की अध्यक्षता में हुआ। प्रतियोगिता में एमबीबीएस छात्रों की छह टीमों ने हिस्सा लिया।

क्विज में प्रतिभागियों से चिकित्सा ज्ञान, क्लिनिकल समझ और त्वरित उत्तर क्षमता से जुड़े सवाल पूछे गए। विभिन्न चरणों में छात्रों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अंत में टीम 'सी' को विजेता घोषित किया गया। क्विज को-ऑर्डिनेटर प्रोफेसर डॉ. विजय यादव रहे। क्विज मास्टर सहायक आचार्य डॉ. अबरार अहमद और डॉ. अमित गुप्ता ने प्रतियोगिता का संचालन किया। आयोजन में शिशु रोग विभाग के चिकित्सकों और रेजिडेंट डॉक्टरों का सहयोग रहा।

विजेता टीम अब बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर में आयोजित होने वाले डिविजनल राउंड में महामाया राजकीय मेडिकल कॉलेज का प्रतिनिधित्व करेगी।

प्रधानाचार्य प्रो. डॉ. मुकेश यादव ने विजेता टीम को बधाई देते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों के ज्ञान और आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होती हैं।

जिलेभर में टीकाकरण अभियान शुरू, प्रभारी मंत्री ने दिखाई 21 टीकाकरण टीमों को हरी झंडी

खुरपका-मुंहपका पर वार

- 8 सितंबर तक चलेगा अभियान, 3.15 लाख से अधिक पशुओं का लक्ष्य
- हर पशु की होगी टैगिंग, ऐप पर दर्ज होगा पूरा रिकॉर्ड

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिले में पशुओं को खुरपका-मुंहपका (एफएमडी) रोग से सुरक्षित रखने के लिए विशेष टीकाकरण अभियान का बुधवार को शुभारंभ हो गया। कलेक्ट्रेट परिसर से प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा और जिलाधिकारी ईशा प्रिया की मौजूदगी में टीकाकरण वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। अभियान राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के तहत संचालित किया जा रहा है। जिले में यह अभियान 8 सितंबर तक चलेगा। इस दौरान 3,15,548 गोवंश और भैंसवंशीय पशुओं को खुरपका-मुंहपका रोग से बचाव के लिए निःशुल्क टीका लगाया जाएगा। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि टीकाकरण के साथ प्रत्येक पशु के कान में टैग लगाया जाएगा और उसका पूरा विवरण भारत पशुधन ऐप पर अपलोड किया जाएगा। इसके लिए पशुपालकों का मोबाइल नंबर, आधार नंबर और पंजीकृत मोबाइल पर प्राप्त ओटीपी आवश्यक होगा। उन्होंने बताया कि यदि किसी कारण से कोई पशु टीकाकरण से छूट जाता है, तो पशुपालक संबंधित विकासखंड के पशु चिकित्सा अधिकारी से संपर्क कर निःशुल्क टीकाकरण करा सकते हैं।

नौ विकासखंडों में 21 टीमें करेंगी घर-घर टीकाकरण

जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बताया कि अभियान के लिए जिले के सभी नौ विकासखंडों में 21 टीकाकरण टीमें गठित की गई हैं। ये टीमें घर-घर जाकर पशुओं का टीकाकरण करेंगी। प्रत्येक टीम में पशु चिकित्सा अधिकारी, पशुधन प्रसार अधिकारी, पशु मित्र और वैक्सीनेटर शामिल रहेंगे। टीकाकरण से पहले संबंधित गांवों में ग्राम प्रधान के माध्यम से सूचना भी दी जाएगी।

प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने पशुपालकों से अभियान में सहयोग करने और सभी पात्र पशुओं का समय पर टीकाकरण कराने की अपील की, ताकि जिले में खुरपका-मुंहपका रोग की रोकथाम प्रभावी ढंग से की जा सके।

अमृत सरोवर से वृक्षारोपण तक डीएम ने परखी जमीनी हकीकत

सूखे पौधों के स्थान पर नए पौधे लगाने और व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने बुधवार को विकास खंड टांडा के ममरेजपुर और पकड़ी भोजपुर गांव में अमृत सरोवर, तालाब और वृहद वृक्षारोपण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, रखरखाव और सुविधाओं की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

ममरेजपुर में अमृत सरोवर का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने सौंदर्यीकरण और विकसित की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। सरोवर के चारों ओर बने पाथवे का निरीक्षण करने के बाद खंड विकास अधिकारी को बरसात के बाद इंटरलॉकिंग को इंद्रधनुष के रंगों से रंगवाने के निर्देश दिए। साथ ही परिसर में लगे झूले को स्थायी रूप से स्थापित कराने को कहा।

निरीक्षण के दौरान पंचायत भवन की व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने यहां स्मार्ट टीवी लगाने के निर्देश दिए, ताकि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और अन्य डिजिटल कार्यों का संचालन सुचारु रूप से किया जा सके।

पकड़ी भोजपुर में पड़रा तालाब का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने आसपास के घरों का गंदा पानी तालाब में जाने से रोकने के लिए ग्राम पंचायत सचिव को नाली और सोखपिट बनाने के निर्देश दिए।

गाटा संख्या 138 पर विकसित वृहद वृक्षारोपण स्थल का निरीक्षण करते हुए जिलाधिकारी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पौधारोपण किया। यहां लगाए गए 3,000 पौधों की स्थिति का जायजा लेने के बाद उन्होंने सूख चुके पौधों के स्थान पर आंवला, इमली और बेल के नए पौधे लगाने तथा उनकी नियमित देखभाल और सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

भाजपा के बूथ सम्मेलन में संगठन को धार देने पर मंथन

नेताओं ने बूथ अध्यक्षों को सौंपी जिम्मेदारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। भारतीय जनता पार्टी ने बुधवार को एक निजी सभागार में बूथ अध्यक्ष सम्मेलन आयोजित कर संगठन की मजबूती पर चर्चा की। कार्यक्रम की शुरुआत पार्टी के प्रेरणास्रोत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्रों पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई।

सम्मेलन में मुख्य अतिथि पूर्व जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश सिंह ने कहा कि बूथ पार्टी संगठन की सबसे अहम कड़ी है। उन्होंने कहा कि चुनावी सफलता के लिए बूथ स्तर पर मजबूत तैयारी और सक्रियता जरूरी है। उन्होंने बूथ अध्यक्षों से पार्टी की नीतियों और सरकार की योजनाओं को जनता तक पहुंचाने की अपील की।

पूर्व सांसद रितेश पांडे ने कहा कि बूथ अध्यक्ष पार्टी और जनता के बीच सीधा संपर्क बनाए रखने का काम करते हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर संगठन को मजबूत करने पर जोर दिया। सम्मेलन में संगठन विस्तार, बूथ प्रबंधन और आगामी कार्यक्रमों को लेकर चर्चा की गई। जिला उपाध्यक्ष विमलेंद्र प्रताप सिंह मोनू ने सम्मेलन का संयोजन किया, जबकि जिला मंत्री पंकज वर्मा ने संचालन किया।

कहा- मजबूत बूथ से ही मजबूत होगा संगठन

प्रावधान : सीआरएम योजना में फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों पर 50 प्रतिशत तक सब्सिडी

कृषि यंत्रों पर मिलेगा अनुदान

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। किसानों को आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराने के लिए वर्ष 2026-27 में कृषि यंत्रीकरण योजनाओं के तहत ऑनलाइन बुकिंग शुरू हो गई है। किसान विभागीय पोर्टल पर आवेदन कर कृषि यंत्रों के लिए टोकन बुक करा सकते हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 10 अगस्त 2026 की रात 12 बजे तक निर्धारित की गई है।

उप कृषि निदेशक डॉ. अश्विनी कुमार सिंह ने बताया कि किसान विभागीय पोर्टल पर किसान कॉर्नर के अंतर्गत ₹यंत्र हेतु बुकिंग₹ लिंक से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

फसल अवशेष प्रबंधन यंत्रों पर मिलेगा 50 प्रतिशत तक अनुदान

योजना में लक्ष्य से अधिक आवेदन प्राप्त होने पर लाभार्थियों का चयन ई-लॉटरी के माध्यम से किया जाएगा। आवेदन के समय किसान को निर्धारित जमानत धनराशि ऑनलाइन जमा करनी होगी। एक लाख रुपये तक अनुदान वाले कृषि यंत्रों के लिए जमानत राशि 2500 रुपये और एक लाख रुपये से अधिक अनुदान वाले यंत्रों के लिए 5000 रुपये निर्धारित है। ई-लॉटरी में चयन नहीं होने वाले किसानों की जमानत राशि नियमानुसार वापस की जाएगी।

उप कृषि निदेशक ने किसानों से अपील की है कि अंतिम समय का इंतजार न करते हुए समय से ऑनलाइन आवेदन कर कृषि यंत्रों की बुकिंग कराएं। योजना के लिए किसान, ग्रामीण उद्यमी, एफपीओ और अन्य पात्र लाभार्थी आवेदन कर सकते हैं।

नेशनल मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन और सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन के तहत किसानों को विभिन्न कृषि यंत्रों पर अनुदान दिया जाएगा। सीआरएम योजना के अंतर्गत फसल अवशेष प्रबंधन वाले कृषि यंत्रों पर अधिकतम 50 प्रतिशत और कस्टम हायरिंग सेंटर पर अधिकतम 30 प्रतिशत अनुदान मिलेगा।

इन कृषि यंत्रों पर मिलेगा लाभ

सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना के तहत कस्टम हायरिंग सेंटर, कम्बाइन हार्वेस्टर विद सुपर एसएमएस, पावर टीलर, पावर वीडर, आलू खुदाई मशीन, आलू बोने मशीन, स्ट्रा रीपर, रोटावेटर, कल्टीवेटर, ट्रैक्टर माउंटेड स्प्रेयर, थ्रेसर और कृषि ड्रोन समेत अन्य यंत्रों पर अनुदान दिया जाएगा।

एससी-एसटी, लघु एवं सीमांत और महिला किसानों को प्रति यंत्र अधिकतम 50 प्रतिशत तक तथा अन्य किसानों को 40 प्रतिशत तक अनुदान मिलेगा। फार्म मशीनरी बैंक के लिए 80 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है।

एक बाइक पर पांच सवार मिले रोकने पर पुलिस से अभद्रता का आरोप

मंशापुर चौराहे पर गश्त के दौरान कार्रवाई

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। महरुआ थाना क्षेत्र के मंशापुर चौराहे पर गश्त के दौरान पुलिस ने एक मोटरसाइकिल पर पांच लोगों को सवार पाया। पुलिस ने वाहन रोककर यातायात नियमों के उल्लंघन की जानकारी दी और पूछताछ की। इस दौरान बाइक सवारों पर पुलिस से अभद्रता करने का आरोप है। बाद में पुलिस ने वाहन का चालान कर दिया।

पुलिस के अनुसार उपनिरीक्षक प्रभात गंगवार और मुख्य आरक्षी प्रमोद कुमार शर्मा क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान मंशापुर चौराहे के पास एक मोटरसाइकिल पर पांच लोग सवार होकर जाते दिखाई दिए। क्षमता से अधिक सवारी होने पर पुलिस ने बाइक को रोक लिया।

पुलिस का कहना है कि बाइक सवारों को बताया गया कि एक मोटरसाइकिल पर पांच लोगों का सफर करना यातायात नियमों का उल्लंघन है और इससे दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। आरोप है कि कार्रवाई की जानकारी मिलते ही कुछ सवार पुलिसकर्मियों से अभद्रता करने लगे। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए मोटरसाइकिल का चालान कर दिया। साथ ही सभी सवारों को भविष्य में यातायात नियमों का पालन करने की हिदायत दी।

- नियमों की जानकारी देने पर हुआ विवाद
- वाहन का चालान, नियमों का पालन करने की हिदायत

सम्पादकीय

सड़क की राजनीति

राहुल गांधी जिस तरह अचानक अपने साथियों के साथ प्रधानमंत्री आवास के पास धरने पर जा बैठे और नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के त्यागपत्र की मांग करने लगे, उससे यही साफ हुआ कि वे काकरोच जनता पार्टी यानी सीजेपी के साथ खड़े दिखना भी नहीं चाहते थे और इससे चिंतित भी हो गए कि यह कथित राजनीतिक दल अचानक इतनी चर्चा में आ गया। जब कई विपक्षी दलों के नेता सीजेपी के मंच पर जाना पंसद कर रहे थे, तब कांग्रेस ने अलग मोर्चा खोलना आवश्यक समझा तो इसीलिए ताकि सरकार का विरोध करने के मामले में अगुआई करते हुए दिख सके। इस पर हैरानी नहीं कि कांग्रेस की यह कोशिश आम आदमी पार्टी को रास नहीं आई और उसने राहुल गांधी पर पीएम मोदी से मिले होने का आरोप मढ़ दिया। यह और कुछ नहीं सीजेपी के हिंसा भरे संसद मार्च के बाद नीट पेपर लीक कांड को लेकर सरकार के विरोध में आगे दिखने की होड़ है। यह होड़ तब दिखाई गई, जब संसद चल रही है।

शायद कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों की दिलचस्पी इसमें नहीं कि संसद चले और उन मुद्दों पर सदन में चर्चा हो, जिन पर बहस की मांग खुद उनकी ओर से की जा रही है। संभवतः इसी कारण राहुल गांधी ने नीट पेपर लीक मामले पर संसद में चर्चा कराने के सरकार के प्रस्ताव को ठुकराना बेहतर समझा। इसके बाद पुलिस के पास उन्हें जबरन हटाने के अलावा और कोई उपाय नहीं था। यदि राहुल गांधी को नीट पेपर लीक प्रकरण में शिक्षा मंत्री के त्यागपत्र की मांग को लेकर धरने पर ही बैठना था तो अब तक क्यों नहीं बैठे? क्या इसलिए कि सीजेपी इस मांग के साथ जंतर-मंतर पर धरना देकर चर्चा में आ गई? क्या अब कांग्रेस सीजेपी के स्तर की राजनीति करेगी? वह तो मुख्य विपक्षी दल है। आखिर उसने जनप्रतिनिधित्व विहीन सीजेपी के रास्ते पर चलना क्यों पसंद किया?

ये सवाल यही रेखांकित करते हैं कि किस तरह लंबे समय तक केंद्र की सत्ता चलाने का अनुभव रखने वाली कांग्रेस संसद के बजाय सड़क पर अपनी बात कहना पसंद कर रही है? लोकतंत्र में सड़क की भी राजनीति होती है, लेकिन संसद की कीमत पर नहीं। स्थापित राजनीतिक दलों के लिए तो किसी भी मसले पर चर्चा और बहस का सबसे उपयुक्त मंच संसद है, न कि सड़क। यह शुभ संकेत नहीं कि सड़क और संसद की राजनीति के बीच का अंतर खत्म होता जा रहा है। निःसंदेह नीट पेपर लीक मामले में शिक्षा मंत्री की जवाबदेही बनती है, लेकिन उनका त्यागपत्र इसकी गारंटी नहीं कि भविष्य में ऐसा नहीं होगा। इसे सीजेपी और उसके समर्थकों को भी समझना होगा। यदि छात्र हित सचमुच उनकी प्राथमिकता में हैं तो उन्हें सरकार से संवाद को प्राथमिकता देनी होगी। विपक्ष को भी चाहिए कि इस मसले पर संसद में सरकार की जवाबदेही ले।

संवाद से सशक्त होगा लोकतंत्र, हिंसा से नहीं

“भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 प्रत्येक नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता तथा शांतिपूर्ण और निरस्त्र सभा करने का अधिकार देता है। यह अधिकार लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान है। किंतु प्रत्येक अधिकार के साथ कर्तव्य और मर्यादा भी जुड़ी होती है।

दिल्ली के जंतर-मंतर से संसद भवन तक हाल के आंदोलन के दौरान जो तनाव, टकराव और हिंसक घटनाएं देखने को मिलीं, वे केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं हैं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता पर भी गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव, बैरिकेड तोड़ने के प्रयास, मेट्रो स्टेशन में जबरन प्रवेश की कोशिश, पुलिस द्वारा लाठीचार्ज और आंसू गैस का प्रयोग-ये सभी दृश्य उस लोकतांत्रिक संस्कृति के अनुरूप नहीं कहे जा सकते, जिसकी आधारशिला अहिंसा, संवाद और संवैधानिक मर्यादाओं पर रखी गई है। भारत आज आजादी के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है। यह केवल आर्थिक महाशक्ति बनने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक परिपक्वता की कसौटी पर भी स्वयं को सिद्ध करने का अवसर है। यदि हम आज भी असहमति को हिंसा, टकराव और अराजकता के माध्यम से व्यक्त करेंगे, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होगी। लोकतंत्र की शक्ति सड़क पर शक्ति-प्रदर्शन में नहीं, बल्कि विचारों की शक्ति, संवाद की संस्कृति और संवैधानिक प्रक्रियाओं में निहित होती है।

राहुल गांधी द्वारा नीट पेपर लीक प्रकरण को लेकर चल रहे घरना-प्रदर्शन के दौरान अचानक अपने सहयोगी सांसदों के साथ प्रधानमंत्री आवास के निकट धरने पर बैठना और संसद की बजाय सड़क को राजनीतिक संघर्ष का मंच बनाना अनेक गंभीर प्रश्न खड़े करता है। जिस प्रकार इससे पहले कॉकरोच जनता पार्टी के तथाकथित छात्रों एवं कार्यकर्ताओं ने संसद चलो मार्च के दौरान तनावपूर्ण, अराजक एवं हिंसक माहौल बनाने की घटनाएं सामने आईं, उससे यह आशंका बलवती हुई कि कुछ राजनीतिक शक्तियां भारत में भी नेपाल जैसी अराजक परिस्थितियां पैदा करने को उजावले हैं। सरकार की सतर्कता और सुरक्षा एजेंसियों की समय रहते की गई कार्रवाई से, कुछ कमियों के बावजूद, इस बड़े संकट को टाल दिया गया, अन्यथा दिल्ली लंबे समय तक हिंसा और अशांति की चपेट में आ सकती थी। देश पहले भी नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) के विरोध के दौरान शाहीन बाग में लगभग सौ दिनों तक एक प्रमुख सड़क के अवरुद्ध रहने और उससे आम नागरिकों को हुई भारी कठिनाइयों का अनुभव कर चुका है। लोकतंत्र में असहमति और विरोध का अधिकार निर्विवाद है, लेकिन उसका स्थान संसद, संवाद और संवैधानिक संस्थाएं हैं, न कि सड़क पर टकराव और अराजकता। विपक्ष यदि बार-बार ऐसे आंदोलनों को प्रोत्साहित करता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक है कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक विमर्श को मजबूत करना है या राजनीतिक ध्रूवीकरण और अस्थिरता को बढ़ावा देना। जनता अपेक्षा करती है कि सभी दल संसद को सर्वोच्च मंच मानते हुए वहीं जवाबदेही सुनिश्चित करें।

प्रदर्शन करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना, पुलिस से टकराव करना, हिंसा फैलाना अथवा आम नागरिकों के जीवन को बाधित करना किसी भी दृष्टि से लोकतांत्रिक आचरण नहीं कहा जा सकता। यदि आंदोलन अपनी नैतिक शक्ति खो देता है, तो उसकी मांगें भी समाज की सहानुभूति खो बैठती हैं। यह भी उतना ही सत्य है कि लोकतंत्र केवल जनता के लिए नहीं, बल्कि सरकार के लिए भी उत्तरदायित्व का नाम है। सरकार को भी आंदोलनों को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखना चाहिए। जब भी किसी वर्ग, विशेषकर युवाओं और छात्रों में असंतोष उत्पन्न हो, तो उसका समय रहते समाधान खोजने का प्रयास होना चाहिए। संवाद के दरवाजे जितनी जल्दी खुलेंगे, टकराव की संभावनाएं उतनी ही कम होंगी। लोकतंत्र में सरकार की सबसे बड़ी शक्ति उसका धैर्य, संवेदनशीलता और संवाद की इच्छा होती है।

इतिहास साक्षी है कि भारत के अधिकांश सफल जनआंदोलन अहिंसा और संवाद की शक्ति से ही सफल हुए हैं। महात्मा गांधी ने विश्व को यह संदेश दिया कि सत्य और अहिंसा सबसे बड़े अस्त्र हैं। वर्ष 2011 का अन्ना हजारे का भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन भी इसका उदाहरण है। लाखों लोग सड़कों पर उतरे, लेकिन आंदोलन का नैतिक बल उसकी शांति और अनुशासन में था। उसी कारण सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना पड़ा और पूरे देश में एक सकारात्मक बहस प्रारंभ हुई। इसके विपरीत जहां-जहां आंदोलनों ने हिंसा का मार्ग अपनाया, वहां उनका मूल उद्देश्य पीछे छूट गया और चर्चा केवल हिंसा तक सीमित होकर रह गई। आज सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि आखिर ऐसी कौन-सी शक्तियां हैं, जो सामान्य और भोली-भाली जनता एवं देश के युवाओं को हिंसा की ओर धकेल देती हैं? कौन-से तत्व आंदोलनों की दिशा बदलकर उन्हें अराजकता में परिवर्तित कर देते हैं? यह चिंता केवल सरकार की नहीं, पूरे समाज की होनी चाहिए। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है, लेकिन यदि असहमति के मंच पर राष्ट्रविरोधी, अराजक अथवा हिंसक तत्व सक्रिय हो जाएं, तो उन्हें नियंत्रित करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का अनिवार्य दायित्व बन जाता है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ अराजकता की स्वतंत्रता नहीं हो सकता।

संसद लोकतंत्र का सर्वोच्च मंदिर है। जंतर-मंतर लोकतांत्रिक विरोध का प्रतीक स्थल है। यदि इन दोनों के बीच हिंसा, तोड़फोड़ ण्वं अराजकता का दृश्य निर्मित होता है, तो यह केवल राजधानी की घटना नहीं रहती, बल्कि पूरे देश और विश्व के सामने भारतीय लोकतंत्र की छवि को प्रभावित करती है। लोकतंत्र की गरिमा इस बात में नहीं कि कौन अधिक आक्रामक है, बल्कि इस बात में है कि कौन अधिक संयमित और उत्तरदायी है। राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा। सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों लोकतंत्र के दो पहिए हैं। यदि दोनों के बीच संवाद समाप्त हो जाएगा, तो लोकतंत्र टकराव का अखाड़ा बन जाएगा।

ललित गर्ग

मनोरंजन से आत्मरंजन

इंसान का जीवन हक़ीक़त में एक रंग मंच जैसा ही होता है ।जन्म से लेकर मृत्यु तक उसको तरह-तरह के रोल निभाने पड़ते हैं। यह रंग मंच एक बच्चे से शुरू होता हैं और दादा-नाना बनने के बाद सदा-सदा के लिये समाप्त हो जाता है ।एक बच्चे से शुरू हुआ जीवन दादा-नाना बनने तक के सफ़र में जीवन के हर रोल को बख़ूबी निभाने वाला इंसान एक श्रेष्ट कलाकार कहलाता हैं । व्यक्ति मनोरंजन में भी रुचि लेता हैं इसलिए हास्य, विनोद, विभिन्न दृश्यीं को देखना , विभिन्न शब्दों का प्रयोग करना आदि - आदि दुनिया में होते हैं । पांचों विषयों को सेवन करना व्यक्ति के भीतर की सुखाकांक्षा का भी द्योतक हो सकता हैं । व्यक्ति सुख चाहता हैं । सुख दो प्रकार का हो सकता हैं । एक वैषयिक सुख और एक आध्यात्मिक सुख हैं । दोनों ही सुख हैं परन्तु दोनों ही सुखों में प्रकृतिगत, स्वरूपगत अंतर होता हैं । वैषयिक सुख , सुख तो एक दृष्टि से हो सकता हैं परन्तु यदि वह आसक्ति के साथ भोगा जा रहा हैं तो वह दुःखों को भी साथ लेकर आ रहा होता हैं । व्यक्ति जन्म लेता हैं, जीवन जीता हैं और एक दिन अवसान को प्राप्त हो जाता हैं । वैसे तो सभी जीवन जीते हैं लेकिन कुछ लोगों का जीवन ऐसा प्रेरणास्पद बन जाता है कि युगों-युगों तक याद रखने जैसा होता हैं । जीवन के रंगमंच पर हम सबको अनेक चरित्र निभाने पड़ते हैं जिनमें प्रथम हमारा पारिवारिक चित्र होता है । परिवार में भी भिन्न-भिन्न रिश्तों का भिन्न-भिन्न प्रकार है जहां पिता-पुत्र, पति-पत्नी, नाती-पोतों संग रोल का भिन्न-भिन्न आकार होना पड़ता है । यह पारिवारिक कर्तव्य निभाते हुए सामाजिक संबंधों का दायरा विकसित होता है जहां हमारा व्यक्तित्व एक नया आकार लेता है । वह जिस प्रकार व्यक्ति जन्म के साथ मृत्यु को भी साथ लेकर आता हैं उसी प्रकार वैषयिक सुख यदि आसक्ति के साथ भुक्त रहें है तो वे दुःख को साथ लेकर आते हैं । परन्तु जैसे - जैसे व्यक्ति साधना के पथ पर बढ़ता हैं, उत्तम तत्त्व को प्राप्त होता जाता हैं । वह वैसे - वैसे वैषयिक सुख रुचिकर नहीं लगते और जैसे - जैसे विरक्ति बढ़ती हैं वैसे - वैसे व्यक्ति उत्तम तत्त्व को प्राप्त कर सकता हैं । वह जब आत्मा से लगाव, त्याग की ओर आकर्षण और संयम का रसास्वादन होता हैं, व्यक्ति विषय भोगों से विरक्ति का अनुभव कर सकता हैं ।

› प्रदीप छाजेड़

आप का यह तर्क ...

अशोक भाटिया

परीक्षा प्रणाली का संकट और राजनीतिक अखाड़ा

राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा को लेकर उठा बवंडर अब महज एक परीक्षा की शुचिता, पेपर लीक के दावों या नेशनल टेस्टिंग एजेंसी की प्रशासनिक विफलताओं तक सीमित नहीं रह गया है। यह विवाद अब देश की दिशा तय करने वाले एक गहरे राजनीतिक भंवर में तब्दील हो चुका है। देश के लाखों युवाओं और उनके परिवारों का भविष्य दांव पर है, लेकिन सत्ता पक्ष को घेरने के नाम पर विपक्षी खेमे में जो नया 'खेल' शुरू हुआ है, उसने एक बेहद संवेदनशील मुद्दे को आपसी प्रतिद्वंद्विता के अखाड़े में बदल दिया है। संसद से लेकर सड़क तक, विपक्षी एकता की जिस 'इंडिया' दीवार को दिखाने की कोशिश की जा रही थी, उसमें दरारें अब साफ नजर आने लगी हैं। विशेष रूप से आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच NEET के मुद्दे पर शुरू हुआ 'क्रेडिट वार' यह साबित करता है कि राजनीति के लिए छात्रों का दर्द कई बार सिर्फ एक चुनावी हथियार बनकर रह जाता है।

हालिया घटनाक्रमों ने यह साफ कर दिया है कि विपक्षी एकजुटता केवल एक तात्कालिक चुनावी गणित थी, न कि किसी दीर्घकालिक विचारधारा का नतीजा। NEET पेपर लीक मामले में जब देश के छात्र जंतर-मंतर पर एक महीने से अधिक समय से तपती धूप में इंसाफ की गुहार लगा रहे थे, तब विपक्ष के दोनों प्रमुख घटक दल अपनी अलग-अलग रोटियां सेकने में व्यस्त थे। इस विवाद ने तब नया मोड़ ले लिया जब आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस पर भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर 'फिक्स्ड मैच' खेलने का सीधा और गंभीर आरोप लगा दिया। आप का यह दावा कि केंद्र सरकार और कांग्रेस के बीच पर्दे के पीछे कोई 'जुगलबंदी' चल रही है, राजनीति के गिरते स्तर और विपक्षी दलों के बीच गहरे अविश्वास को दर्शाता है।

आप का यह तर्क कि जंतर-मंतर पर आंदोलनरत छात्रों की आवाज को दबाने के लिए कांग्रेस ने जानबूझकर प्रधानमंत्री आवास के घेराव का 'इवेंट' रचा, राजनीति की उस कड़वी सच्चाई को उजागर करता है जहां हर दल खुद को मुख्य नायक साबित करना चाहता है। आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का यह आरोप कि कांग्रेस के प्रदर्शन करते ही सरकार के मंत्रियों का बातचीत के लिए आगे आना एक पूर्व-नियोजित नाटक था, कांग्रेस के उस आक्रामक तेवर पर पानी फेरने की कोशिश है जिसे राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे स्थापित करना चाह रहे थे।

2024 के लोकसभा चुनावों में सीटों की संख्या में सुधार के बाद कांग्रेस खुद को विपक्ष के स्वाभाविक और एकमात्र नेता के रूप में पेश करने की पुरजोर कोशिश कर रही है। NEET विवाद में कांग्रेस का रवैया इसी रणनीति का हिस्सा नजर आता है। पार्टी ने न केवल संसद के भीतर स्थगन प्रस्तावों के जरिए सरकार को घेरने की कोशिश की, बल्कि 'छात्रों की गूंज' जैसे 40 दिनों के लंबे देशव्यापी अभियान की घोषणा कर यह संदेश देने का प्रयास किया कि छात्रों के मुद्दों पर केवल वही सबसे बड़ी लड़ाई लड़ सकती है।

21 जुलाई को दिल्ली में प्रधानमंत्री आवास की तरफ कांग्रेस का मार्च और प्रमुख नेताओं की हिरासत, इस मुद्दे पर एकाधिकार जमाने की एक सोची-समझी कोशिश थी। कांग्रेस यह भली-भांति जानती है कि शिक्षा और बेरोजगारी ऐसे मुद्दे हैं जो देश के मध्यम और निम्न-मध्यम वर्ग को सीधे प्रभावित करते हैं। इसलिए, वह इस आंदोलन की कमान किसी क्षेत्रीय दल या छात्र संगठन के हाथ में नहीं जाने देना चाहती। लेकिन इसी आक्रामकता ने उसके अपने ही सहयोगियों, जैसे आम आदमी पार्टी, को असहज कर दिया है।

दूसरी तरफ, आम आदमी पार्टी की छटपटाहट भी समझ में आती है। दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में सत्तासीन AAP खुद को एक राष्ट्रीय विकल्प के रूप में स्थापित करने के लिए संघर्ष कर रही है। दिल्ली की जमीन पर होने वाले किसी भी बड़े आंदोलन (चाहे वह किसानों का हो या छात्रों का) पर AAP अपना दावा ठोकती रही है। जब जंतर-मंतर पर छात्र इकट्ठा हुए, तो AAP को लगा कि वह इस जन-आंदोलन का चेहरा बन सकती है। लेकिन कांग्रेस के अचानक एंट्री मारने और पूरे मीडिया स्पेस को अपनी तरफ खींच लेने से AAP को लगा कि उसका राजनीतिक मैदान खिसक रहा है।

प्रधानमंत्री आवास योजना से बदली तकदीरः कच्चे घर से निकलकर ‘सम्मान के आशियाने‘ में पहुंचीं अमेठी की दुर्गा देवी

माननीय प्रधानमंत्री जी के ‘‘सबको पक्का मकान‘‘ के ऐतिहासिक संकल्प को धरातल पर उतारते हुए उत्तर प्रदेश ने ‘प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण)‘ के सुदृढ़ क्रियान्वयन में देश भर में एक नया मानदंड स्थापित किया है। प्रदेश सरकार की प्रभावी कार्यप्रणाली, जीरो-टॉलरेंस नीति और भ्रष्टाचार-मुक्त पारदर्शी व्यवस्था के फलस्वरूप राज्य के लाखों बेघर और कच्चे मकानों में रह रहे ग्रामीण परिवारों को सुरक्षित आशियाना सुलभ हुआ है। यह योजना ग्रामीण भारत के बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने और ‘अंत्योदय‘ के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक युगांतकारी पहल साबित हो रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) का मूल उद्देश्य निर्धन एवं वंचित वर्ग को एक गरिमापूर्ण जीवन, सामाजिक-आर्थिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता प्रदान करना है। प्रदेश सरकार की जन-कल्याणकारी नीतियों और पारदर्शी प्रशासनिक तंत्र के चलते यह योजना ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन स्तर को ऊंचा उठाने और आमजन के विश्वास को सुदृढ़ करने का प्रमुख माध्यम बन गई है। विशेष रूप से ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए, प्रदेश सरकार ने आवासों का स्वामित्व महिलाओं को अथवा परिवार के साथ संयुक्त रूप से प्रदान करने की नीति अपनाई है।

योजना के प्रभावी और पारदर्शी क्रियान्वयन का प्रत्यक्ष प्रमाण अमेठी जनपद के विकास खंड अमेठी के अंतर्गत ग्राम पंचायत तिलोकपुर की निवासी दुर्गा देवी को मिला पक्का घर महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक सशक्त कदम है। सीमित आय और बुनियादी साधनों के अभाव में दुर्गा देवी का परिवार दशकों से एक जर्जर कच्चे मकान में लगातार समस्याओं का सामना कर रहा था ।

बरसात के मौसम में घर की छत टपकने और दीवारों में नमी से परिवार की सुरक्षा पर खतरा बना रहता था। परिवार को भारी बारिश के दौरान घर में जलभराव का सामना करना पड़ता था। इसके अतिरिक्त, भीषण गर्मी और कड़ाके की ठंड जैसी प्रतिकूल मौसमी स्थितियों से बचाव का कोई समुचित और सुरक्षित साधन परिवार के पास उपलब्ध नहीं था।

परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि वे अपने सीमित संसाधनों से एक पक्के आवास का निर्माण कर सकें। अभाव और अनिश्चितता के इस कठिन दौर में केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) उनके जीवन में एक सुरक्षा कवच और नई आशा बनकर आई। इस योजना ने उनके जीवन को आर्थिक स्वावलंबन और सामाजिक सम्मान की दिशा में अग्रसर किया है।

प्रदेश सरकार की स्पष्ट और पारदर्शी नीति के अनुरूप ग्राम पंचायत स्तर पर पात्र लाभार्थियों के निष्पक्ष चयन की प्रक्रिया के तहत दुर्गा देवी को योजना में शामिल किया गया। चयन से लेकर स्वीकृति तक की संपूर्ण प्रक्रिया में पारदर्शिता के उच्च मानदंडों का सख्ती से पालन किया गया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि सरकारी सहायता का लाभ बिना किसी बिचौलिये या बाधा के वास्तविक लाभार्थी तक पहुंचे।

आवास स्वीकृति के उपरांत, प्रदेश सरकार की भ्रष्टाचार-मुक्त व्यवस्था के तहत डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से वित्तीय सहायता राशि सीधे लाभार्थी के बैंक खाते में समयबद्ध किश्तों में हस्तांतरित की गई।

जरा हटके

योजना में पारदर्शिता...

बी0एल0यादव

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण): हर गरीब का पक्का घर, सम्मानजनक जीवन की मजबूत नींव

एक सुरक्षित और सम्मानजनक आवास केवल चार दीवारों और छत का नाम नहीं है, बल्कि यह सामाजिक सुरक्षा, आत्मसम्मान और बेहतर भविष्य का आधार होता है। जब किसी परिवार को पक्का घर मिलता है तो उसके जीवन में केवल रहने की सुविधा नहीं बढ़ती, बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, सामाजिक प्रतिष्ठा और आर्थिक आत्मनिर्भरता के नए अवसर भी खुलते हैं। इसी सोच को साकार करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के माध्यम से उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण गरीबों के जीवन में व्यापक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी पात्र परिवार कच्चे, जर्जर अथवा बेघर अवस्था में रहने के लिए विवश न रहे। इसी लक्ष्य के साथ मार्च 2029 तक सभी पात्र परिवारों को बुनियादी सुविधाओं से युक्त पक्का आवास उपलब्ध कराने के लिए मिशन मोड में कार्य किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश ने इस योजना के क्रियान्वयन में पूरे देश के लिए एक आदर्श स्थापित किया है। प्रदेश को स्वीकृत 36.56 लाख आवासों के लक्ष्य के सापेक्ष 36.39 लाख आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है, जो लगभग 99.53 प्रतिशत उपलब्धि है। यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि राष्ट्रीय स्तर पर आवास पूर्णता का औसत लगभग 76.73 प्रतिशत है। इस प्रकार उत्तर प्रदेश न केवल लक्ष्य प्राप्ति में अग्रणी है, बल्कि प्रभावी और समयबद्ध कार्यान्वयन का भी उदाहरण बनकर उभरा है।

इस योजना की एक और उल्लेखनीय उपलब्धि निर्माण की गति रही है। प्रदेश में लगभग 90 प्रतिशत

आवास मात्र 10 माह के भीतर पूर्ण किए गए हैं। प्रशासनिक दक्षता, प्रभावी निगरानी और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से योजनाओं को समयबद्ध ढंग से धरातल पर उतारा गया। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश आज देश में सबसे तेजी से ग्रामीण आवास निर्माण करने वाला राज्य बन गया है।

प्रदेश सरकार की सक्रिय कार्यशैली का परिणाम यह भी रहा कि वर्ष 2023-24 में अन्य राज्यों से 1.44 लाख अतिरिक्त आवास उत्तर प्रदेश को आवंटित किए गए। यह केंद्र और राज्य सरकार के बीच बेहतर समन्वय तथा प्रदेश की उत्कृष्ट कार्यप्रणाली का प्रमाण है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) केवल मकान निर्माण तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य प्रत्येक परिवार को सभी आवश्यक बुनियादी सुविधाओं से जोड़ना भी है। इसी दृष्टिकोण के तहत योजना का विभिन्न सरकारी योजनाओं से समन्वय (कन्वर्जेन्स) किया गया है। इसके परिणामस्वरूप 99.54 प्रतिशत आवासों में शौचालय, 93.52 प्रतिशत में विद्युत कनेक्शन, 94.62 प्रतिशत में एलपीजी गैस कनेक्शन, 80.80 प्रतिशत में नल से जल कनेक्शन उपलब्ध कराया गया है। साथ ही बड़ी संख्या में लाभार्थियों को स्वयं सहायता समूहों से जोड़कर उनकी आर्थिक सशक्तता भी सुनिश्चित की जा रही है। प्रदेश सरकार ने आवास निर्माण को गुणवत्तापूर्ण बनाने के लिए 45,542 राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षित किया है, जिनमें 7,127 महिला राजमिस्त्री (रानी मिस्त्री) भी शामिल हैं। इससे न केवल निर्माण गुणवत्ता में सुधार हुआ है, बल्कि ग्रामीण महिलाओं को रोजगार और सम्मानजनक आजीविका का नया अवसर भी मिला है।

योजना में पारदर्शिता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है। स्वीकृति पत्र वितरण, भूमि पूजन, गृह प्रवेश तथा पूर्ण आवासों की चाबी वितरण जैसे कार्यक्रम जनप्रतिनिधियों और ग्रामीण समुदाय की उपस्थिति में आयोजित किए जा रहे हैं। इससे योजना के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है और सामाजिक सहभागिता को भी मजबूती मिली है।

प्रदेश के 771 विकास खण्डों में मॉडल आवास विकसित किए जा चुके हैं, जबकि 41 विकास खण्डों में निर्माण कार्य प्रगति पर है। कई जनपदों में क्लस्टर आधारित आवास निर्माण से ग्रामीण क्षेत्रों में नियोजित विकास को बढ़ावा मिला है। साथ ही भूमिहीन पात्र लाभार्थियों को भूमि का पट्टा उपलब्ध कराकर उनके आवास निर्माण का कार्य भी पूरा कराया गया है। योजना के प्रभावी संचालन के लिए आधुनिक तकनीकों का उपयोग भी किया जा रहा है। एरिया ऑफिसर ऐप के माध्यम से नियमित निरीक्षण, सोशल ऑडिट, पात्रता सूची का सत्यापन तथा आवास प्लस सर्वे-2024 के जरिए पात्र लाभार्थियों की पहचान जैसी व्यवस्थाओं ने योजना को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाया है। वर्तमान में स्थायी पात्रता सूची के अंतिम सत्यापन हेतु ग्राम सभाओं की बैठकें आयोजित की जा रही हैं, ताकि कोई भी पात्र परिवार इस योजना के लाभ से वंचित न रह जाए। उत्तर प्रदेश को प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए लगातार राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान भी प्राप्त हुए हैं। राजमिस्त्री प्रशिक्षण, सोशल ऑडिट, निरीक्षण प्रणाली, आवास पूर्णता और भूमिहीन लाभार्थियों को भूमि उपलब्ध कराने जैसे अनेक क्षेत्रों में प्रदेश आज देश में अग्रणी स्थान पर है।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) आज केवल आवास निर्माण की योजना नहीं रह गई है, बल्कि यह ग्रामीण विकास, सामाजिक न्याय और समावेशी प्रगति का मजबूत आधार बन चुकी है। यह योजना लाखों परिवारों के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और आत्मविश्वास का नया अध्याय लिख रही है।

बैरिकेडिंग पर चढ़े, कांग्रेस कार्यालय घेरने जा रहे, कांग्रेसी महिलाएं लट्ठ लेकर तैनात

भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस में धक्का-मुक्की

नारेबाजी

भाजपाई बैरिकेडिंग पर चढ़े

लखनऊ में कांग्रेस कार्यालय घेरने जा रहे भाजपा कार्यकर्ताओं को पुलिस ने रोक दिया। इस पर कार्यकर्ता बैरिकेडिंग पर चढ़कर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में बुधवार को भाजपा कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हो गई। भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय का घेराव करने जा रहे थे। पुलिस ने उन्हें रोका, तो भड़क गए। भाजपा कार्यकर्ता नारेबाजी करते हुए बैरिकेडिंग पर चढ़ गए।

इधर, कांग्रेस प्रदेश कार्यालय पर कांग्रेसी महिला कार्यकर्ता लट्ठ लेकर तैनात रहे। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने कहा- BJP वाले याद रखें। कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता शांत और सज्जन जरूर है, लेकिन ईंट का जवाब पत्थर से देने के लिए हर तरह से तैयार भी है।

दरअसल, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, राहुल गांधी समेत विपक्षी नेताओं ने 21 जुलाई (मंगलवार) को प्रधानमंत्री आवास के बाहर प्रदर्शन किया था। इसके विरोध में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय के घेराव का ऐलान किया गया था।

कांग्रेस कार्यालय के बाहर भारी पुलिस बल तैनात

कांग्रेस कार्यालय के बाहर भी सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए भारी पुलिसबल तैनात किया गया है। कार्यकर्ता आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक रखा गया है। कांग्रेस के प्रदेश कार्यालय पर कार्यकर्ता लाठी-डंडे लेकर तैनात हैं। भाजपा कार्यकर्ता वहां अभी तक नहीं पहुंचे हैं। पुलिस के सिपाही कार्यकर्ताओं को रोकने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन कार्यकर्ता उन्हें धक्का देखर आगे बढ़ते रहे और बैरिकेडिंग के ऊपर चढ़ गए।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बोले- कांग्रेस ने पीएम की सुरक्षा से खिलवाड़ किया

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने कहा, ₹राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने जिस प्रकार से प्रधानमंत्री के निवास पर धरना दिया, जो कहीं न कहीं संवेदन-शील एरिया होता है, उन्होंने सुरक्षा के साथ खिलवाड़ किया है। उसके विरोध में हम अपने कार्यकर्ताओं के साथ कांग्रेस कार्यालय तक प्रदर्शन करेंगे।

भाजपा कार्यकर्ताओं को रोकने के लिए पुलिस ने बैरिकेडिंग कर रखी थी। उसे तोड़कर कार्यकर्ता आगे बढ़ गए। पुलिस ने दोबारा बैरिकेडिंग की और कार्यकर्ताओं को रोक लिया। इसके बावजूद भाजपा कार्यकर्ता आगे बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं।

अजय राय बोले- ईंट का जवाब पत्थर से देने के लिए तैयार

अजय राय ने कहा- आज पता चला कि BJP के कुछ कार्यकर्ता हमारे कांग्रेस मुख्यालय की तरफ आ रहे थे। हमने भी अपने मेहमानों के 'खास स्वागत' की पूरी तैयारी कर ली थी! लेकिन, डरी हुई भाजपा सरकार ने भारी पुलिस बल भेजकर घेराबंदी करवा दी। अपने ही लोगों को रोक दिया। BJP वाले याद रखें- कांग्रेस का एक-एक कार्यकर्ता शांत और सज्जन जरूर है, लेकिन ईंट का जवाब पत्थर से देने के लिए हर तरह से सक्षम और तैयार भी है!

छात्रों को न्याय मिलने तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान

लाठीचार्ज को लेकर संसद में गरजे अखिलेश यादव

तमसा संकेत, संवाददाता

नई दिल्ली। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने बुधवार को संसद परिसर में पेपर लीक, छात्रों के उत्पीड़न और दिल्ली में छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में विपक्षी दलों के सांसदों के साथ मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने केंद्र सरकार पर छात्रों की आवाज दबाने का आरोप लगाया और शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग दोहराई।

संसद परिसर में मीडिया से बातचीत करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि छात्रों को न्याय दिलाने की लड़ाई लगातार जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि छात्र-नौजवान और उनके परिवार पेपर लीक तथा सरकार के रवैये से नाराज हैं। उनका कहना था कि छात्र शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार उन्हें हटाने से बच रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर ऐसा कौन-सा दबाव है जिसके चलते मंत्री को पद से नहीं हटाया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि नीट पेपर लीक मामले में छात्रों को अब तक न्याय नहीं मिला है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर पुलिस ने बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज किया। उनके अनुसार कई छात्रों के सिर फूटे, हड्डियां टूटीं और छात्राओं के साथ भी दुर्व्यवहार हुआ। उन्होंने कहा कि सरकार ने छात्रों से संवाद करने के बजाय बल प्रयोग का रास्ता अपनाया।

फास्ट न्यूज

बिना नंबर की थार ने बाइक में मारी टक्कर

लखनऊ। लखनऊ के नाका क्षेत्र में डीएवी कॉलेज फ्लाईओवर पर मंगलवार रात करीब 12 बजे तेज रफ्तार बिना नंबर की थार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक थार के अगले हिस्से में फंस गई और करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने पीछाकर थार सवार दो युवकों को पकड़ लिया, जबकि एक युवती समेत तीन लोग मौके से फरार हो गए।

बिना नंबर की थार ने बाइक में मारी टक्कर

लखनऊ। लखनऊ के नाका क्षेत्र में डीएवी कॉलेज फ्लाईओवर पर मंगलवार रात करीब 12 बजे तेज रफ्तार बिना नंबर की थार ने बाइक सवार दो युवकों को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बाइक थार के अगले हिस्से में फंस गई और करीब 100 मीटर तक घिसटती चली गई।

हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने पीछाकर थार सवार दो युवकों को पकड़ लिया, जबकि एक युवती समेत तीन लोग मौके से फरार हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक थार में चार युवक और एक युवती सवार थे।

एलडीए मुख्यालय में हंगामा, दो युवक हिरासत में

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) मुख्यालय में मंगलवार को अवैध निर्माण की शिकायत को लेकर हंगामा हो गया। शिकायत लेकर पहुंचे दो युवकों ने सचिव विवेक श्रीवास्तव के कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। शोर-शराबा बढ़ने पर मुख्यालय में कुछ देर के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

देश के टॉप बोर्डिंग स्कूलों के मॉडल पर अपग्रेड होंगे सर्वोदय विद्यालय

समाज कल्याण विभाग और बीएसएआई के बीच हुआ एमओयू

तमसा संकेत, संवाददाता

- शिक्षा, छात्रावास प्रबंधन और शिक्षक प्रशिक्षण में आएगा बदलाव
- साझेदारी से गुणवत्ता और सहयोग से सुधार के सिद्धांत पर आधारित पहल

लखनऊ। विकसित भारत के निर्माण में अच्छी शिक्षा की सबसे बड़ी भूमिका है। हमारी प्राथमिकता है कि सर्वोदय विद्यालयों में पढ़ रहे विद्यार्थियों को देश के सर्वश्रेष्ठ बोर्डिंग स्कूलों जैसी शिक्षा, अनुशासन और अवसर मिले। बीएसएआई के साथ यह साझेदारी उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हमारे विद्यार्थी और शिक्षक अब नई और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों से सीखेंगे, अनुभव साझा करेंगे और शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाएंगे। - श्री असीम अरुण

लखनऊ, 22 जुलाई 2026 प्रदेश भर के 112 जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में शैक्षणिक और आवासीय व्यवस्था को और बेहतर बनाने की दिशा में बड़ी पहल की गई। समाज कल्याण विभाग और बोर्डिंग स्कूल्स एसोसि-एशन ऑफ इंडिया (बीएसएआई) के बीच बुधवार को गोमती नगर स्थित भागीदारी भवन में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू समाज कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री असीम अरुण, प्रमुख सचिव समाज कल्याण श्री अनुराग यादव और निदेशक समाज कल्याण श्री संजीव सिंह की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर बीएस-एआई के डायरेक्टर श्री विनय पांडेय और सीईओ श्रीमती सपना सुकुल भी उपस्थित रहीं। इस समझौते का उद्देश्य देश के सर्वश्रेष्ठ बोर्डिंग स्कूलों के सफल अनुभवों और श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को सर्वोदय विद्यालयों तक पहुंचाना है।

अडानी स्किल्स एण्ड एजुकेशन के मध्य हुआ एमओयू, हजारों युवाओं को मिलेगा रोजगार-सुन्दरम्

रोजगार मिशन के तहत लाखों युवाओं को मिल रहा रोजगार : अनिल राजभर

- 34 लाख से अधिक अभ्यर्थियों को कॅरियर काउंसिलिंग का दिया गया मार्गदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

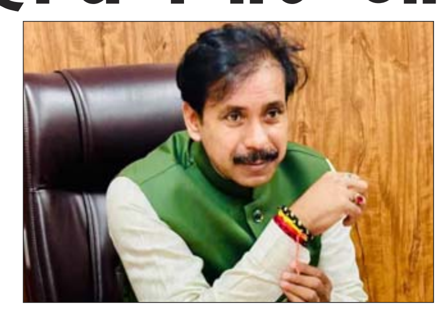

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में रोजगार के इच्छुक अभ्यर्थियों एवं श्रमिकों को देश-विदेश में रोजगार के अवसर प्रदान करने हेतु 'उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन' का गठन किया गया है। मिशन के उद्देश्यों में देश व विदेश में रोजगार की मांग का सर्वेक्षण, प्रतिष्ठित कम्पनियों को सूचीबद्ध करना, अभ्यर्थियों के स्किल गैप का पता लगाना एवं दूर करना, अभ्यर्थियों को विदेश में रोजगार प्रदान करने हेतु भाषा प्रशिक्षण आदि प्रदान किये जाने के कार्य किये जाने हैं। इसी कड़ी में दिनांक 20 जुलाई, 2026 को मा0 मंत्री जी, श्रम एवं सेवायोजन तथा समन्वय विभाग श्री अनिल राजभर एवं माननीय राज्यमंत्री जी श्री मनोहर लाल मन्नू कोरी की गरिमामयी उपस्थिति में सेवायोजन विभाग एवं अडानी स्किल्स एण्ड एजुकेशन के मध्य एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित किये जाने का कार्यक्रम बापू भवन, सचिवालय, उ0प्र0 के सभाकक्ष में संपादित किया गया। एम0ओ0यू0 का मुख्य उद्देश्य अडानी स्किल्स एण्ड एजुकेशन के माध्यम से सेवायोजन विभाग में पंजीकृत अभ्यर्थियों के स्किल गैप को दूर करते हुए उनको स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराया जाना है।

अब तक 6004 श्रमिकों को इजराइल में मिला रोजगार

8,054 अभ्यर्थियों का चयन हुआ

जनपद वाराणसी में 09 से 10 दिसम्बर, 2025 को आहूत काशी सांसद रोजगार महाकुम्भ के माध्यम से 8,054 अभ्यर्थियों का चयन हुआ है, जिसमें 85 अभ्यर्थियों का चयन विदेश में रोजगार के लिए हुआ है। इसके अतिरिक्त 08 मार्च को आयोजित पिंक रोजगार मेले के माध्यम से 2765 महिला अभ्यर्थियों को विभिन्न कम्पनियों में चयनित कराया गया, जिसमें से 79 महिला अभ्यर्थियों का चयन विदेशों में रोजगार हेतु किया गया।

देश विदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जा रहे

मा0 मंत्री जी, श्रम एवं सेवायोजन तथा समन्वय विभाग श्री अनिल राजभर द्वारा बताया गया कि उ०प्र० रोजगार मिशन के अंतर्गत प्रदेश के अभ्यर्थियों को देश विदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। मिशन का उद्देश्य देश एवं विदेशों में रोजगार की मॉग का सर्वेक्षण करना, प्रतिष्ठित कम्पनियों को सूचिबद्ध करना तथा उनसे रोजगार की मॉग प्राप्त करने के लिए एक सुदृढ़ प्रणाली विकसित करना, बेरोजगार एवं अल्प रोजगार अभ्यर्थियों के कौशल अन्तराल का अध्ययन करना तथा उक्त अन्तराल को भरना, अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए भाशा प्रशिक्षण एवं प्रस्थान-पूर्व उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित करना, नियोजित अभ्यर्थियों को नियोजन के पश्चात् सहायता प्रदान करना आदि कुछ प्रमुख गतिविधियाँ है जिन्हें किये जाने की आवश्यकता है। प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन, डॉ० एम० के० शन्मुगा सुन्दरम् द्वारा अडानी स्किल्स एण्ड एजुकेशन के मध्य हुये एम0ओ0यू0 को विभाग की उपलब्धि बताते हुये अवगत कराया गया कि इसके माध्यम से प्रदेश के युवाओं को प्रदेश में ही अडानी ग्रुप द्वारा किये जा रहे विभिन्न प्रोजेक्ट्स यथा- डिफेन्स कॉरिडोर, थर्मल पॉवर प्लांट आदि में रोजगार के अवसर उपलब्ध हो सकेंगे। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि सेवायोजन विभाग द्वारा रोजगार मेलों के माध्यम से 01 अप्रैल, 2017 से अब तक 17 लाख से अधिक युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार हेतु चयनित कराया गया है।

लखनऊ विश्वविद्यालय और स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के बीच एमओयू

पॉलिसी एंड डेवलपमेंट रिसर्च वर्टिकल की स्थापना के लिए हुआ समझौता

- तीन वर्षों के लिए प्रभावी रहेगा एमओयू, जरूरत पड़ने पर दो वर्ष तक बढ़ाया जा सकेगा
- विकसित उत्तर प्रदेश-2047 के लक्ष्य को गति देने में निभाएगा अहम भूमिका

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन एवं लखनऊ विश्वविद्या-लय के में स्थित 'सेंटर फॉर डेवल-पमेंट एंड पॉलिसी रिसर्च (ब्क्प्त्)' में पॉलिसी एंड डेवलपमेंट रिसर्च वर्टिकल की स्थापना हेतु एमओयू पर हस्ताक्षर उत्तर प्रदेश सरकार के स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन (एसटीसी) एवं लखनऊ विश्वविद्यालय के मध्य योजना भवन, लखनऊ में सेंटर फॉर डेवलपमेंट एंड पॉलिसी रिसर्च (ब्क्प्त्) के अंतर्गत पॉलिसी एंड डेवलप-मेंट रिसर्च वर्टिकल की स्थापना के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मनोज कुमार सिंह, आई.ए. एस (सेवानिवृत्त) तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जे. पी. सैनी ने हस्ताक्षर किए। यह वर्टिकल प्रदेश में साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण को सुदृढ़ करने, विकासोन्मुखी अनुसंधान को बढ़ावा देने तथा राज्य के विकास एजेंडे को गति प्रदान करने की दिशा में कार्य करेगा। यह एमओयू प्रारंभिक रूप से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा तथा आवश्यकता अनुसार इसे आगामी दो वर्षों तक प्रतिवर्ष बढ़ाया जा सकेगा।

एमओयू का मुख्य उद्देश्य स्टेट ट्रांसफॉ-र्मेशन कमीशन एवं लखनऊ विश्वविद्या-लय के बीच संस्थागत सहयोग को मजबूत करते हुए नीति-आधारित अनुसंधान को बढ़ावा देना तथा सुशासन एवं सतत विकास के लिए ज्ञान-आधारित दस्तावेज तैयार करना है।

इस अवसर पर प्रो. जे. पी. सैनी, कुलपति, लखनऊ विश्वविद्यालयय प्रो. अरविंद मोहन, डीन, कला संकाय डॉ. भावना मिश्रा, कुलसचिवय प्रो. मुकुल श्रीवास्तव, निदेशक, आईपीपीआर प्रो. गीतांजलि मिश्रा, निदेशक सहित स्टेट ट्रांसफॉर्मेशन कमीशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री मनोज कुमार सिंह, आईएएस (सेवानिवृत्त), आयोग के वरिष्ठ अधिकारी तथा आयोग के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

लखनऊ में तेज रफ्तार कंटेनर ने युवक को रौंदा, मौत

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के बंथरा थाना क्षेत्र में बुधवार दोपहर तेज रफ्तार कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत हो गई। हादसा किशुनपुर कौड़िया गांव के सामने बनी-मोहन-लालगंज रोड पर हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार कंटेनर के नीचे आ गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद चालक कंटेनर छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस के मुताबिक, किशुनपुर कौड़िया गांव निवासी 25 वर्षीय संदीप पास के गांव में मजदूरी करता था। बुधवार दोपहर वह खाना खाने के बाद दोबारा काम पर जा रहा था। इसी दौरान जुनाबगंज की ओर से आ रहे तेज रफ्तार कंटेनर ने उसकी बाइक में सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही संदीप बाइक समेत कंटेनर के नीचे आ गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

शादी के 6 साल बाद विवाहिता की मौत सिर और नाक से निकल रहा था खून

तमसा संकेत, एजेंसी

आरती, मृतका

लखनऊ। लखनऊ के ठाकुरगंज में शादी के 6 साल बाद एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। परिवार का कहना है कि दामाद ने मंगलवार शाम फोन करके बताया बेटी ने जहर खा लिया है। जब परिवार लखनऊ पहुंचा तो देखा सिर व नाक से खून निकल रहा था। परिजनों का आरोप है कि शादी के बाद से ही सूरज आरती के साथ मारपीट करता था और उसे प्रताड़ित करता था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

आजाद नगर, रामनगर माल निवासी परमेश्वर ने बताया, उन्होंने अपनी बेटी आरती की शादी 8 दिसंबर 2020 को ठाकुरगंज के राजा विहार निवासी सूरज उर्फ गोलू से की थी। सूरज सफाईकर्मी है। दंपती के दो बच्चे हैं, जिनमें चार वर्षीय बेटा शिवांश और पांच महीने की एक बेटी है।

परमेश्वर ने बताया कि मंगलवार शाम करीब 6 बजे सूरज का फोन आया। उसने कहा कि आरती की तबीयत अचानक बिगड़ गई है। सूचना मिलते ही परिवार माल से लखनऊ के लिए रवाना हो गया। परिजनों का आरोप है कि पहले उन्हें बताया गया कि आरती को ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है, लेकिन वहां पहुंचने पर पता चला कि उसे बलरामपुर अस्पताल ले जाया गया है। जब परिवार बलरामपुर अस्पताल पहुंचा तो डॉक्टरों ने आरती को मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

मृतका की बड़ी बहन सुमन ने बताया कि वह बालू अड्डा क्षेत्र में रहती हैं, लेकिन घटना की जानकारी उन्हें सूरज ने नहीं दी।

समीक्षा : आईबेट एक्सपो 2026 निवेश, नवाचार और हरित ऊर्जा का बनेगा सबसे बड़ा मंच : ए. के. शर्मा

उत्तर प्रदेश बनेगा देश की बायोएनर्जी राजधानी

- मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के विशेष प्रयासों से बायो एनर्जी क्षेत्र में नई पहचान बना रहा उत्तर प्रदेशः श्री ए के शर्मा
- 11 से 13 अगस्त तक ग्रेटर नोएडा में होगा अंतर्राष्ट्रीय बायोएनर्जी एवं टेक एक्सपो

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश को बायोएनर्जी एवं स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में बुधवार को इन्वेस्ट यूपी सभागार, लखनऊ में इंडिया बायोएनर्जी एंड टेक एक्सपो (IBET Expo 2026) की तैयारियों को लेकर उच्चस्तरीय स्टेकहोल्डर बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रदेश के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने की। बैठक में आयोजन की रूपरेखा, निवेश संभावनाओं, उद्योग सहभागिता तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की व्यापक समीक्षा की गई।

बैठक में मुख्यमंत्री के सलाहकार श्री अवनीश अवस्थी, अपर मुख्य सचिव ऊर्जा श्री आशीष गोयल, उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (UPNE-DA) के निदेशक श्री रविंद्र सिंह, सचिव श्री पंकज सिंह, विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि तथा बायोएनर्जी क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ एवं स्टेकहोल्डर्स उपस्थित रहे। इस अवसर पर नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए. के. शर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश आज ऊर्जा परिवर्तन, हरित विकास और निवेश का सबसे बड़ा केंद्र बनकर उभर रहा है। IBET Expo 2026 प्रदेश को बायोएनर्जी, ग्रीन हाइड्रोजन, कंप्रेस्ड बायोगैस (CBG), एथेनॉल, बायोडीजल, सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल (SAF), वेस्ट-टू-एनर्जी तथा अन्य हरित प्रौद्योगिकियों के क्षेत्र में वैश्विक पहचान दिलाने का सशक्त मंच बनेगा। उन्होंने कहा कि कृषि आधारित अर्थव्यवस्था होने के कारण उत्तर प्रदेश के पास कृषि अपशिष्ट का विशाल भंडार उपलब्ध है। वर्तमान में लगभग 17 मिलियन टन कृषि अपशिष्ट में से केवल 5 मिलियन टन का ही उपयोग हो रहा है।

कृषि अपशिष्ट से ग्रीन एनर्जी उत्पादन बढ़ाकर वैश्विक नेतृत्व करेगा उत्तर प्रदेश : ए. के. शर्मा

> मंत्री श्री शर्मा ने सभी विभागों, उद्योग संगठनों एवं स्टेकहोल्डर्स से समन्वित प्रयास करते हुए आयोजन को ऐतिहासिक एवं सफल बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि यह एक्सपो प्रदेश में निवेश, रोजगार सृजन, तकनीकी नवाचार तथा सतत विकास को नई गति देगा और उत्तर प्रदेश को हरित ऊर्जा के क्षेत्र में नई पहचान प्रदान करेगा।

सतीश महाना से उद्योगपतियों एवं ब्रह्माकुमारी प्रतिनिधिमंडल ने की भेंट

पर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश विधान सभा का भ्रमण किया

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा के माननीय अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी से आज विधान सभा परिसर में दो अलग-अलग प्रतिनि-धिमंडलों ने शिष्टाचार भेंट कर लोकतांत्रिक व्यवस्था एवं विधान सभा की कार्यप्रणाली के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

सबसे पहले कानपुर के दादा नगर कोऑपरेटिव एस्टेट के चेयरमैन श्री विजय कपूर जी के नेतृत्व में आए उद्योगपतियों के प्रतिनिधिमंडल ने माननीय अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने उत्तर प्रदेश विधान सभा का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान माननीय अध्यक्ष श्री सतीश महाना जी ने उन्हें विधायिका की भूमिका, लोकतांत्रिक संस्थाओं के महत्व तथा विधान सभा की कार्यप्रणाली की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की सफलता जनप्रतिनि-धियों के साथ-साथ जागरूक नागरिकों की सक्रिय भागीदारी पर भी निर्भर करती है। उन्होंने उद्योग जगत से जुड़े लोगों की राष्ट्र एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका का भी उल्लेख किया।

इसी क्रम में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्या-लय, कानपुर की बहन नीलम जी अपने साथियों के साथ माननीय अध्यक्ष से शिष्टाचार भेंट करने पहुंचीं। भेंट के उपरांत उन्होंने भी विधान सभा परिसर का भ्रमण किया तथा विधान सभा की कार्यप्रणाली, विधायी प्रक्रियाओं एवं लोकतांत्रिक व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। माननीय अध्यक्ष ने लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक संस्थाओं के प्रति जन-जागरूकता तथा नैतिक मूल्यों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन के लिए आध्यात्मिक चेतना और लोकतांत्रिक समझ, दोनों का समान रूप से आवश्यक होना चाहिए।

कुलपतियों को फोटो दिखा चुकी हूं, सीसीएसयू के 38वें दीक्षांत समारोह में पहुंचीं थीं

विवि हॉस्टलों में ड्रग्स सप्लाई हो रही : राज्यपाल

समारोह

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में बुधवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 38वें दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल शामिल हुईं। उन्होंने 199 मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किए। राज्यपाल ने विश्वविद्यालयों के हॉस्टल्स में ड्रग सप्लाई किए जाने और शराब की बोतलें पड़ी मिलने का दावा किया। राज्यपाल ने कहा-मैंने लगभग 15 विश्वविद्यालयों के हॉस्टल देखे हैं। वहां बाहर शराब की बोतलें पड़ी मिलीं। हॉस्टलों में बाहर से जो खाना आता है, उसके जरिए ड्रग्स भी पहुंच रहा है। मैंने हॉस्टल प्रबंधन और कुलपतियों को इसकी तस्वीरें तक दिखाई हैं।

उन्होंने कहा कि हम तो चार पीढ़ियों से चाय तक नहीं पी रहे और आप ड्रग्स के आदी हो गए हैं। इसे छोड़िए। नशा कभी भी किसी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यह धीरे-धीरे व्यक्ति के सपनों, प्रतिभा, स्वास्थ्य और परिवार की उम्मीदों को नष्ट कर देता है।

राज्यपाल ने बताया कि हकीकत जानने के लिए वह ट्रेन से सफर कर रहीं हैं। ट्रेन और ट्रैक पर गंदगी को लेकर वह अधिकारियों को फोटो भी शेयर कर चुकी हैं।

युवाओं को पता नहीं और झंडा लेकर निकल जाते

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा- आज के कई युवाओं को यह नहीं पता कि उन्हें क्या करना है। कोई एक झंडा लेकर निकल पड़ता है, दूसरा उसके पीछे चल पड़ता है। इसलिए यह समझना जरूरी है कि हम जो कर रहे हैं, वह देशहित में है या नहीं। बच्चों को उन महापुरुषों के बारे में जरूर बताया जाना चाहिए, जिनके नाम पर विश्वविद्यालय का नाम रखा गया है।

दीक्षांत में राज्यपाल ने मेधावियों को मेडल और उपाधि दी।

परिवार में तीन बेटियां होने पर परिवार में मच जाता हाहाकार

आज यहां 75 प्रतिशत बेटियों और 25 प्रतिशत छात्रों को मेडल मिले हैं। जरा सोचिए, हम बेटों के पीछे भागते हैं। तीन बेटियां होने पर कई परिवारों में हाहाकार मच जाता है, जबकि बेटियां बेहद होनहार हैं। उन पर भरोसा कीजिए। वे परिवार का नाम रोशन करेंगी। बेटा हो या बेटी, दोनों के चरित्र निर्माण पर समान रूप से ध्यान देना चाहिए।

"डी.लिट. की उपाधि ऐसे लोगों को भी मिलनी चाहिए, जो भले औपचारिक रूप से अधिक पढ़े-लिखे न हों, लेकिन किसी कला या कौशल में महारत रखते हों। गांवों में कई महिलाएं लोगों को आत्मनिर्भर बना रही हैं। ऐसे महिला-पुरुष भी इस सम्मान के हकदार हैं।

हमने एक शिक्षक से पूछा कि उन्होंने कितनी किताबें लिखी हैं। उन्होंने बताया- दो। जब पूछा कि कितने वर्षों से पढ़ा रहे हैं, तो जवाब मिला- 20 साल से। 20 वर्षों में सिर्फ दो किताबें नहीं, बल्कि कम से कम पांच किताबें लिखनी चाहिए।

गाजीपुर बॉर्डर पर दूसरे दिन भी हाई अलर्ट

किसानों की भीड़ देखते हुए लगा बैरियर

तमसा संकेत, एजेंसी

गाजियाबाद । गाजीपुर बार्डर समेत दिल्ली की सीमा वाले क्षेत्रों में आज भी फोर्स तैनात की गई है। दिल्ली जाने वाले किसानों को देखते हुए गाजियाबाद में लोनी बार्डर, यूपी गेट और दूसरे प्वाइंटों पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स लगाई है। यहां डीसीपी सुरेंद्र नाथ तिवारी, एसीपी इंदिरापुरम सूर्यबली मौर्य और 4 थानों के प्रभारी फोर्स के साथ तैनात हैं। अलग अलग स्थानों पर बैरियर लगाए गए हैं। एक दिन पहले किसानों ने पुलिस से धक्का मुक्की करते हुए पुलिस के बैरियर गिरा दिए थे। डीसीपी सुरेंद्रनाथ तिवारी ने बताया कि चेकिंग चलती रहती है, कुछ लोग आकर समस्या उत्पन्न कर सकते हैं इसलिए सुरक्षा बढ़ाई गई हैं। दिल्ली में प्रवेश करने वाले प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम लगा है। जिससे दिल्ली जाने और

गाजियाबाद की तरफ आने वाले वाहन चालकों को भी परेशानी हो रही है। जंतर-मंतर पर CJP के प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने गाजीपुर बॉर्डर पर सुरक्षा के कड़े इंतज़ाम किए हैं। बॉर्डर पर बैरिकेडिंग और सघन चेकिंग के कारण दिल्ली की ओर जाने वाले वाहनों की रफ्तार काफी धीमी हो गई है। सुबह से ही गाड़ियों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं और वाहन रेंगते हुए आगे बढ़ रहे हैं। इसका सबसे अधिक असर ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों और दैनिक यात्रियों पर पड़ रहा है, जिन्हें समय पर अपनी मंज़िल तक पहुंचने में मुश्किल हो रही है।

फास्ट न्यूज

दिल्ली में लाठीचार्ज के विरोध में वकीलों का प्रदर्शन

कानपुर। दिल्ली में छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज के विरोध में बुधवार को कानपुर कलेक्ट्रेट में बार-लॉयर्स एसोसिएशन के पदाधिकारियों और अधिवक्ताओं ने प्रदर्शन किया। दोपहर करीब 12:30 बजे बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष मोहम्मद तौहीद और लायर्स के पूर्व अध्यक्ष रवींद्र शर्मा के नेतृत्व में मार्च निकालते हुए अधिवक्ता कलेक्ट्रेट पहुंचे।

कानपुर में पार्षदों ने सीवर भराव-गंदगी का मुद्दा उठाया

कानपुर। कानपुर में विकास कार्यों और जनसमस्याओं को लेकर नगर निगम मुख्यालय में बुधवार को जोन-3 के पार्षदों के साथ मेयर प्रमिला पांडेय ने समीक्षा बैठक की। बैठक में पार्षदों ने अपने-अपने वार्डों की सफाई व्यवस्था, खराब स्ट्रीट लाइट, जलभराव, अतिक्रमण, नाला सफाई और पार्कों के रखरखाव समेत अन्य सुविधाओं से जुड़ी शिकायतें उठाईं। इस दौरान मेयर ने अधिकारियों को फटकार लगाते हुए जनसम-स्याओं के तत्काल समाधान के निर्देश दिए।

दोस्त को बचाने में दूसरा दोस्त भी तालाब में डूबा-मौत

आगरा। आगरा के थाना अछनेरा क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हो गया। तालाब में डूबते दोस्त को बचाने में दूसरा दोस्त भी डूब गया। दोनों किशोर थे। स्कूल से घर बैग रखकर अरावली की पहाड़ियों के बीच बने गहरे तालाब की तरफ गए थे। लगभग आधा घंटे की मशक्कत के बाद दोनों को बाहर निकाला जा सका।

विशेष अभियान के तहत मिली बड़ी सफलता, जांच के लिए भेजे गए नमूने

तमसा संकेत, संवाददाता

गाजियाबाद। नकली एवं अवैध औषधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफए-सडीए) व गाजियाबाद क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने देहरादून की फैक्ट्री पर छापेमारी की। यहां देश की कई प्रतिष्ठित दवा कंपनियों के नाम पर नकली दवाइयों का निर्माण किया जा रहा था।

टीम ने देहरादून के देवीपुर न्यू हाईवे रोड परवाल क्षेत्र में नकली दवा बनाने वाली फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया। छापेमारी के दौरान प्रारंभिक जांच में सामने आया कि फैक्ट्री में सिप्ला, ल्यूपिन, डॉ. रेड्डीज, एल्डर, माइक्रो, मैनकाइंड, इंटास, एबॉट, सन फार्मा, एरिस्टो, मैक्लियोड्स व जाइडस जैसी नामी दवा कंपनियों के नाम और ब्रांड का दुरुपयोग कर कथित रूप से नकली दवाइयां तैयार की जा रही थीं। इन दवाओं की पैकेजिंग भी इस प्रकार की जा रही थी कि आम उपभोक्ता और दवा विक्रेता आसानी से भ्रमित हो सकते थे।

टीम ने कार्रवाई के दौरान फैक्ट्री से भारी मात्रा में संदिग्ध दवाइयां, पैकिंग सामग्री, लेबल, रैपर, निर्माण में प्रयुक्त होने वाले अन्य उपकरण बरामद किए। बरामद सामग्री को जांच के लिए कब्जे में लेकर उसके नमूने परीक्षण के लिए भेजे गए हैं।

- **एफएसडीए व गाजियाबाद क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने देहरादून में नकली दवा फैक्ट्री का किया भंडाफोड़**
- **सिप्ला, ल्यूपिन समेत कई कंपनियों के नाम पर बन रही थीं नकली दवाइयां**

हरदोई में ड्राइवरों ने एक साथ बढ़ाई बस, खड़े-खड़े ही सिर पिच्चा हुआ

सरकारी बसों के बीच पिसी महिला

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में रोडवेज बस स्टैंड पर बड़ा हादसा हो गया। दो बसों के बीच में फंसकर एक महिला की मौत हो गई। स्टैंड पर दो बसें एक साथ खड़ी थीं। एक महिला दोनों के बीच से होकर निकलने लगी। तभी दोनों ड्राइवरों ने अचानक अपनी-अपनी बस आगे बढ़ा दी। इससे महिला दोनों के बीच में फंस गई। जब तक दोनों ड्राइवर कुछ समझ पाते, महिला बसों के बीच फंसकर पिच्चा हो गई। खड़े-खड़े ही उसका सिर फट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने शोर मचाया, तब दोनों ड्राइवरों को हादसे का पता चला। हादसा शहर कोतवाली क्षेत्र स्थित रोडवेज बस अड्डे पर बुधवार दोपहर करीब 1:30 बजे हुआ।

कोतवाली देहात क्षेत्र के खेतुई गांव में रहने वाली नेहा सिंह (32) एक फॉर्मा (दवा) कंपनी में काम करती थीं। बुधवार सुबह वह उन्नाव के बांगरमऊ में एक कंपनी की मीटिंग में शामिल होने के लिए घर से निकली थीं। स्टैंड पर बस का इंतजार कर रही थीं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, नेहा बस स्टैंड पर बैठी थीं। तभी उन्नाव जाने वाली बस आ गई। नेहा बस पकड़ने के लिए उठीं। स्टैंड पर पहले से खड़ी कन्नौज डिपो और हरदोई डिपो की बसों के बीच से होकर निकलने लगीं।

नेहा चीखी-चिल्लाई, तो लोग दौड़े

इसके बाद नेहा बचाने के लिए चीखने-चिल्लाने लगीं। इस पर आसपास के लोग दौड़ पड़े। शोर मचाकर दोनों के ड्राइवरों को रोका, लेकिन तब तक नेहा बुरी तरह से पिच्चा हो चुकी थीं। उनका सिर दोनों बसों के बीच में फंसकर पिच्चा हो गया था। लोगों ने नेहा को बसों के बीच से निकालकर मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

हादसे के बाद लोगों ने शोर मचाकर दोनों ड्राइवरों को रोका। इसके बाद नेहा को निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया।

यह नेहा सिंह हैं, जिनकी हरदोई बस स्टैंड पर दो बसों के बीच पिसकर मौत हो गई।

पति की भी ऐसे ही मौत हुई थी

वीरेश ने बताया- भाभी नेहा परिवार की जिम्मेदारियां संभालने के लिए नौकरी कर रही थीं। 10 साल पहले मेरे भाई (नेहा के पति) सर्वेश सिंह की भी हादसे में जान चली गई थी। उनकी भी डीसीएम और ट्रक के बीच फंसकर मौत हो गई थी। उनकी 15 साल की बेटी रिया सिंह और 11 साल का बेटा विवेक है। हादसे के बाद दोनों बच्चे अनाथ हो गए।

धमाके के लिए विस्फोटक जुटा रहा था, 5 दिन पहले मुंबई से लौटा था

यूपी में होमगार्ड का बेटा पाकिस्तानी एजेंट निकला

तमसा संकेत, एजेंसी

बलरामपुर । 'अगर मेरा बेटा दोषी है तो उसे कानून के अनुसार सजा मिलनी चाहिए। पिछले छह महीने से बेटे से मेरी कोई बातचीत नहीं हुई थी। परिवार को भी अंदेशा नहीं था कि वह देश के खिलाफ साजिश रच रहा है।'

यह कहना है होमगार्ड इश्तियाक अली का। यूपी ATS ने सोमवार को इश्तियाक के बेटे शहरोज को पकड़ा है। उस पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ISI के लिए जासूसी और देश में धमाके की साजिश रचने का आरोप है। मां ने कहा- शहरोज 16 जुलाई को मुंबई से गांव लौटा था। अगले दिन पुलिसवाले घर आए और बेटे को उठा ले गए। अब पता चला कि उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

शहरोज बलरामपुर में जमथरा गांव का रहने वाला है। यह गांव जिला मुख्यालय से करीब 55 किमी दूर है। पिता इश्तियाक अली जरवा थाने में होमगार्ड हैं। मां अफरोज बानो गृहिणी हैं। तीन बहनें आरजू बानो, जुस्तजू बानो और उम्मे हबीबा और छोटा भाई कलीम दानिश भी साथ रहते हैं।

मां अफरोज बानो ने बताया- शहरोज साल 2000 से 2007 तक अपने पिता इश्तियाक के साथ मुंबई में रहा है। इसके बाद परिवार गांव लौट आया। तब शहरोज ने बिशनपुर टंटनवा गांव में सातवीं कक्षा तक पढ़ाई की। बाद में वह अकेले मुंबई चला गया और चिकन मीट की दुकान पर काम करने लगा। लेकिन बाद में लौट आया। करीब 6 महीने पहले वह फिर मुंबई गया और पुराना काम करने लगा। चार-पांच दिन पहले ही वह गांव लौटा था।

शहरोज ने 8वीं तक पढ़ाई की थी। अभी शादी नहीं हुई है। परिवार के मुताबिक, शहरोज 16 जुलाई को मुंबई से गांव लौटा था।

गैंगस्टर ने फेसबुक पर लिखा- हिम्मत और जिगर वाले शूटर्स

यूपी ATS के अनुसार, अक्टूबर 2025 में ISI एजेंट जसवीर चौधरी ने फेसबुक पर ₹हिम्मत और जिगर वाले शूटर्स₹ की आवश्यकता है, लिखकर एक पोस्ट अपलोड की थी। इस पोस्ट पर शहरोज ने कमेंट किया। जिसके बाद दोनों के बीच फेसबुक, मैसेंजर, वॉट्सऐप और बाद में सिग्नल ऐप से बातचीत होने लगी। जसवीर चौधरी ने शहरोज को राजस्थान के श्रीगंगानगर से अवैध हथियार और गोला-बारूद जुटाने का टास्क दिया था। इसके लिए उसके बैंक खाते में पांच हजार रुपए भी भेजे थे। एटीएस का यह भी दावा है कि शहरोज पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के नेटवर्क के संपर्क में भी था।

की गई 50 पुलिसकर्मियों पर एफआईआर की मांग

एससी-एसटी कोर्ट में याचिका दाखिल, दलित समाज को बेइज्जत करने का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ में आठ जुलाई को कलेक्ट्रेट पर हुए दलित समाज के प्रदर्शन और उसके बाद हुई पुलिस कार्रवाई का मामला अब अदालत पहुंच गया है।

दलित अधिवक्ता अनिल प्रधान ने विशेष न्यायाधीश एससी/एसटी कोर्ट में याचिका दाखिल कर एसएसपी अविनाश पांडे, एसपी देहात अभिजीत कुमार तथा 50 अज्ञात पुलिसकर्मियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने जाने की मांग की है।

याचिका में पुलिस अधिकारियों पर दलित समाज के लोगों के साथ अभद्रता, मानवाधिकारों के उल्लंघन और जातिवादी मानसिकता से कार्रवाई करने के गंभीर आरोप लगाए गए हैं। याचिकाकर्ता अधिवक्ता अनिल प्रधान का आरोप है कि ललिता गौतम हत्याकांड की विवेचना में पुलिस ने निष्पक्षता नहीं बरती और आरोपियों को बचाने का प्रयास किया। इसी के विरोध में दलित समाज के लोग आठ जुलाई को जिलाधिकारी से मिलने और अपनी बात रखने के लिए कलेक्ट्रेट पहुंचे थे। आरोप है कि पुलिस ने कलेक्ट्रेट के दरवाजे बंद कर दिए और प्रदर्शनकारियों को गेट के बाहर सड़क पर बैठने के लिए मजबूर किया। इससे लोगों में आक्रोश फैल गया। याचिका में कहा गया है कि पुलिस अधिकारियों ने दलित समाज के लोगों के साथ जानबूझ कर भेदभावपूर्ण व्यवहार किया और बाद में प्रदर्शनकारियों पर बल प्रयोग किया। अनिल प्रधान का आरोप है कि शांतिपूर्ण धरना दे रहे लोगों पर लाठीचार्ज कराया गया तथा पुलिस अधिकारियों ने स्वयं भी हाथापाई की। उन्होंने दावा किया कि इस घटना के वीडियो और अन्य साक्ष्य सोशल मीडिया पर उपलब्ध हैं, जो पुलिस कार्रवाई की वास्तविकता को दर्शाते हैं। याचिका में यह भी आरोप लगाया गया है कि पुलिस ने प्रदर्शनकारियों के खिलाफ प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई की।

पृष्ठ 01 का शेष...

'पुलिसवालों ने मेरे...

प्रदर्शनकारियों पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया। एक छात्र के शरीर पर बंदूक के छर्रे दिखाई दिए। हालांकि, पुलिस ने पैलेट गन के इस्तेमाल के दावे को खारिज किया है।

छात्र शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन पुलिस अचानक उन पर लाठीचार्ज कर देती है। वीडियो में दिखाया गया कि किसी छात्रों के सिर से खून बह रहा तो किसी छात्र को पुलिस घसीट रही है।

राहुल गांधी ने कहा कि एक परीक्षा पर परिवारों का उतना ही खर्च होता है, जितना सरकार का पूरा शिक्षा बजट है। भारत सरकार सभी टैक्स इकट्ठा करने के बाद हमारे बच्चों के भविष्य पर पैसा खर्च करती है। वह पैसा शिक्षा बजट में जाता है, जो 1.4 लाख करोड़ रुपये है। वहीं दूसरी तरफ हर साल NEET परीक्षा देने वाले परिवार भी लगभग इतनी ही रकम यानी 1.32 लाख करोड़ रुपये खर्च करते हैं। यह उन परिवारों के साथ सरासर लूट है, और कुछ नहीं। फिर, जब आप उनसे यह पैसा वसूल लेते हैं, तो आप उन्हें बताते हैं कि पेपर लीक हो गया है या सिस्टम में गड़बड़ी है। तो यही वह वजह है कि हमारे युवा सड़कों पर उतरने को मजबूर हैं।

राहुल ने प्रेजेंटेशन के दौरान चौथी स्लाइड दिखाई। जिसमें उन्होंने तीन डिमांड रखीं। पहली- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें। दूसरी- छात्रों को पीटने वालों पर कार्रवाई हो। तीसरा- पीएम मोदी छात्रों से माफी मांगें।

हमें आंदोलन का...

नड्डा ने कहा कि पेपर लीक गंभीर समस्या है, लेकिन राहुल गांधी इस मुद्दे पर गंभीर नहीं हैं और केवल राजनीतिक लाभ लेने की कोशिश कर रहे हैं. उन्होंने कहा कि विपक्ष को अपना 'गोल पोस्ट' नहीं बदलना चाहिए और इस विषय पर सदन में गंभीर चर्चा हो सकती है.

जेपी नड्डा ने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और उनके भविष्य की चिंता करना सरकार के साथ-साथ विपक्ष की भी जिम्मेदारी है. उन्होंने कहा कि इस समस्या का समाधान सभी को मिलकर निकालना होगा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार इस मुद्दे पर संसद में चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है.

नड्डा ने यह भी बताया कि वे हाल ही में लद्दाख के सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक का हालचाल जानने गए थे, जिन्हें मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उन्होंने वांगचुक से अपना अनशन समाप्त करने का आग्रह किया और उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा के लिए तैयार है. नड्डा ने कहा कि सरकार वांगचुक के ओपन लेटर का जवाब देगी और संसद में किसी भी विषय पर चर्चा के लिए तैयार है.

विपक्षी सांसदों का...

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने बुधवार रात प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि हम सोनम वांगचुक का हालचाल पूछने गए थे। हमने उनसे कहा कि आप अपना अनशन तोड़ें। सरकार आपकी बातों को सुनेगी। सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे ने बुधवार को PM नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने कहा कि दिल्ली में छात्रों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा और पुलिस की कार्रवाई बेहद परेशान करने वाली थी। उन्होंने कहा कि किसी मंत्री का इस्तीफा लेने से सरकार कमजोर नहीं होगी, बल्कि इससे दूसरे मंत्रियों को जवाबदेही के बारे में एक मजबूत संदेश जाएगा और कामकाज में सुधार होगा। युवा परीक्षा के पेपर लीक, भर्ती प्रक्रियाओं में देरी और बेरोज़गारी जैसे मुद्दों को लेकर चिंतित हैं।

'कॉकरोचों' पर...

इस टिप्पणी के बाद ही अभिजीत दीपके ने इंस्टाग्राम पर कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया था।

कॉकरोच जनता पार्टी ने 20 जुलाई को संसद मार्च निकाला था। इस दौरान हजारों प्रदर्शनकारी संसद की तरफ बढ़े थे, इन्हें रोकने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। इसमें 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी और छात्रों को चोटें आई थीं।

इस पर सीजेआई ने कहा, 'हमें वीडियो में दिलचस्पी नहीं है, हमारे पास देखने का समय नहीं है।'

प्रधान इस्तीफा दें...

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राज्यसभा में कहा, INDI गठबंधन का व्यवहार बहुत गैर-जिम्मेदाराना है। हम संसद में उनके इस लोकतंत्र-विरोधी व्यवहार को साफ देख सकते हैं।

संसदीय मर्यादा को तार-तार किया जा रहा है और लोकतांत्रिक मूल्यों का उल्लंघन हो रहा है। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अभी-अभी बहुत स्पष्ट रूप से कहा है कि सरकार सभी मुद्दों पर चर्चा करने के लिए तैयार है।

टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी को पूरे मानसून सत्र से निलंबित कर दिया गया है। कल्याण के खिलाफ यह कार्रवाई महिला सांसदों के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने पर की गई थी।

दरअसल मई 2026 में तृणमूल कांग्रेस की सांसद काकोली घोष दस्तिदार ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखकर कल्याण बनर्जी के खिलाफ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई थी।

लोकसभा में हंगामे के चलते लोकसभा की कार्यवाही को गुरुवार तक के लिए स्थगित कर दिया गया। वहीं राज्यसभा की कार्यवाही आज दोपहर 3 बजे तक स्थगित रहेगी।

'साजिश करके सपा...

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कुछ लोगों ने गोड़धोइया नाला के पास जमीनें ली थीं। तब समाजवादी पार्टी की सरकार में भूमाफियाओं ने सरकारी जमीनों पर गलत इंदराज कराकर उन्हें ठगने का काम किया था। हमने, जिनके भी नाम जमीनों के कागज पर दर्ज हुए थे, उन्हें कंपनसेशन (मुआवजा) देने का काम किया। सीएम योगी ने कहा कि जनता के सकारात्मक सहयोग से ही इस नाला का पुनरोद्धार हो पाया। उन्होंने कहा कि विकास की प्रक्रिया में जागरूकता बड़े मायने रखती है। मुख्यमंत्री ने बताया कि गोड़धोइया नाला 9.50 किलोमीटर लंबा और 10 मीटर चौड़ा बना है। इसके साथ ही 18 किलोमीटर सीवर लाइन भी पड़ रही है, अब नाले में सीवर नहीं गिरेगा। गोड़धोइया नाला परियोजना में 36 एमएलडी की एसटीपी का काम पूरा हो गया है। नाले पर 14 ब्रिज और 61 एमएलडी मास्टर पंप स्टेशन (एमपीएस) का काम भी पूरा हो गया है। उन्होंने बताया कि उनकी योजना है कि गोड़धोइया नाला पर यातायात की व्यवस्था हो और सुरक्षा के उपाय भी किए जाएं ताकि कोई नाले में न गिरने पाए। उन्होंने कहा कि नाला के दोनों ओर सड़क का निर्माण भी होना है। इसके साथ ही नाले की दोनों तरफ आने-जाने के लिए पुल भी बनना है। सीएम योगी ने कहा कि गोड़धोइया नाले का काम पूरा हो गया है। सीवर लाइन का काम अंतिम चरण में है। यहां सड़क भी बनेगी, रेलिंग लगेगी, फुटपाथ बनेगा और लाइटिंग की भी अच्छी व्यवस्था रहेगी।

सभी नालों का...

जब सभी नालों का पुनरोद्धार हो जाएगा तो महानगर में कहीं भी एक बूंद पानी नहीं रुकेगा।

कश्मीर के अनंतनाग...

घटना के तुरंत बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस, सेना और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने पूरे लाल चौक और आसपास के इलाके की घेराबंदी कर दी। अतिरिक्त सुरक्षा बल मौके पर भेजे गए और आतंकियों की तलाश में बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया। इलाके में आने-जाने वाले सभी रास्तों पर नाकेबंदी कर वाहनों और लोगों की गहन जांच की जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि हमले में कितने आतंकी शामिल थे और फायरिंग के बाद वे किस दिशा में भागे। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (LoC) पर 17 जुलाई की रात संदिग्ध गतिविधि देख भारतीय सेना ने फायरिंग की। अधिकारियों के मुताबिक, तारकुंडी फॉरवर्ड इलाके में रात करीब 10 बजे सैनिकों ने कुछ संदिग्ध लोगों की गतिविधि देखी, जिसके बाद फायरिंग की गई।

वेस्टइंडीज ने आखिरी वनडे 2 विकेट से जीता

मुकाबला

न्यूजीलैंड के खिलाफ 2-3 से सीरीज गंवाई, हेटमायर की फिफ्टी

■ टॉस हराने के बाद पहले बैटिंग कर रही न्यूजीलैंड 50 ओवर में 9 विकेट पर 268 रन बनाए। टीम ने 16 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवा दिया था। यहां पर हेनरी निकोलस 10 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें मैथ्यू फोर्ड ने बोल्ड किया।

ब्रिजटाउन, एजेंसी

मेजबान वेस्टइंडीज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मैच में 2 विकेट की जीत हासिल की। हालांकि, बुधवार को मिली इस जीत के बावजूद टीम ने 5 मैचों की सीरीज 2-3 से गंवा दी।

ब्रिजटाउन में कैरेबियाई टीम ने 269 रन का टारगेट 47.3 ओवर में 8 विकेट खोकर हासिल कर लिया। शिमरोन हेटमायर ने नाबाद 69 रनों की पारी खेली। वे प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। जॉयडन लेनिक्स को प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। 269 रन का टारगेट चेज करने उतरे कैरेबियाई ओपनर्स ने फिफ्टी पार्टनरशिप की। हालांकि, 59 रन के टीम स्कोर पर पवेलियन भी लौट गए। एकीम ऑगस्टे 34 और जस्टिन ग्रीव्स 22 रन बनाकर आउट हुए। केसी कर्टी 20 और कप्तान शाई होप 39 रन बनाकर आउट हुए। एक समय टीम का स्कोर 123/4 हो गया था। शुरुआती विकेट जल्दी गंवाने के बाद शेरफन रदरफोर्ड ने शिमरोन हेटमायर के साथ मिलकर वेस्टइंडीज को 200 पार पहुंचाया। दोनों ने 5वें विकेट के लिए 90 गेंद पर 95 रनों की साझेदारी की। यह साझेदारी रदरफोर्ड के आउट होने से टूटी। उन्हें 61 रन के निजी स्कोर पर टॉम लैथम ने माइकल ब्रेसवेल की गेंद पर स्टंप किया।

यंग-केली ने पारी संभाली, दोनों की फिफ्टी

5वें ओवर में पहला विकेट गंवाने के बाद ओपनर विल यंग और निक केली ने कीवियों की पारी संभाली। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 90 गेंद पर 86 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी को विटेल लुईस ने विल यंग को बोल्ड करके तोड़ा। विल यंग ने 56 रन बनाए। यंग के आउट होने के बाद केली ने मार्क चैपमैन के साथ पारी को आगे बढ़ाया, लेकिन चैपमैन 11 रन बनाकर आउट हो गए। चैपमैन के आउट होने के बाद विल यंग 64 रन बनाकर पवेलियन लौट गए।

टॉम लैथम ने स्कोर 200 पार पहुंचाया

मार्क चैपमैन के आउट होने के बाद क्रीज पर उतरे टॉम लैथम ने न्यूजीलैंड की पारी को 200 पार पहुंचा दिया। उन्होंने 69 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। आखिर में कप्तान मिचेल सैंटनर और नाथन स्मिथ ने 50 ओवर में टीम का स्कोर 268/9 पहुंचा दिया। विटेल लुइस और अल्जारी जोसेफ को दो-दो विकेट मिले।

■ विल यंग और निक केली ने 90 गेंद पर 86 रन की साझेदारी की। (फोटो ब्लैककैप्स)

पूर्व क्रिकेटर राजेश चौहान पर 17.52 लाख ठगी का आरोप

दुर्ग-भिलाई, एजेंसी

■ नवीन जिंदल से पहचान बताकर काम में पार्टनर बनाने ठेकेदार को फंसाया, एफआईआर के आदेश

छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में पूर्व भारतीय क्रिकेटर राजेश चौहान पर 17.52 लाख रुपए की कथित धोखाधड़ी का आरोप लगा है। जिंदल इस्पात लिमिटेड में ट्रांसपोर्ट का काम दिलाने का झांसा देकर ठेकेदार से फ्रॉड किया गया। अब कोर्ट ने उन पर FIR दर्ज करने के निर्देश दिए हैं। पीड़ित दिनकर विश्वमित्र का कहना है कि, राजेश चौहान ने खुद को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर बताते हुए उद्योगपति नवीन जिंदल से करीबी संबंध होने का दावा किया था। भरोसा दिलाने के लिए जिंदल इस्पात का कथित वर्क ऑर्डर भी दिखाया और ट्रांसपोर्ट के काम में पार्टनर बनाने की बात कही। बाद में पता चला कि पूरा दस्तावेज फर्जी था। पीड़ित ने पुलिस से शिकायत की, लेकिन जब कोई कार्रवाई नहीं हुई तो उसने अदालत का दरवाजा खटखटाया। अब न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी (जेएमएफसी) कोर्ट ने मोहन नगर पुलिस को केस दर्ज कर जांच करने का आदेश दिया है। वर्तमान में राजेश चौहान बिजनेसमैन और क्रिकेट एकेडमी के संचालक हैं। पीड़ित दिनकर विश्वमित्र ने कोर्ट में बताया कि, उसकी मुलाकात दोस्त सरोज कुमार के जरिए राजेश चौहान से हुई थी। बातचीत के दौरान राजेश ने कहा कि उसकी गोविंद ट्रांसपोर्ट कंपनी को ओडिशा के क्योंझर स्थित जिंदल इस्पात लिमिटेड में आयरन और अन्य सामग्री के ट्रांसपोर्ट का बड़ा ठेका मिला है।

कॉमनवेल्थ गेम्स- भारतीय बॉक्सिग टीम का सामान आयरलैंड में छूटा

बेलफास्ट से ग्लासगो जाते वक्त एयरपोर्ट पर रह गया

नई दिल्ली। कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए मंगलवार को बेलफास्ट से ग्लासगो पहुंची टीम को परेशानी का सामना करना पड़ा। टीम का आधा सामान बेलफास्ट में ही छूट गया, जहां खिलाड़ी ट्रेनिंग कर रहे थे। इनमें बॉक्सिंग गियर, किट और ओपनिंग सेरेमनी की ड्रेस शामिल हैं। समाचार एजेंसी PTI के अनुसार, टीम के सदस्यों ने बताया कि आयरलैंड की राजधानी बेलफास्ट से ग्लासगो जाने वाला विमान काफी छोटा था। इस वजह से काफी सामान वहीं छोड़ना पड़ा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 23 जुलाई से शुरू हो रहे हैं। पहले दिन ओपनिंग सेरेमनी होगी। बॉक्सिंग के मुकाबले 24 जुलाई से शुरू होने हैं। भारत ने गेम्स में 22 बॉक्स उतारे हैं। ये सभी खिलाड़ी 12 जुलाई से बेलफास्ट में स्पेशल ट्रेनिंग कर रहे थे। वर्ल्ड चैंपियन जैस्मीन लंबोरिया (57 किग्रा), साक्षी चौधरी (51 किग्रा), परवीन हुड्डा (65 किग्रा), जादुमनी सिंह (55 किग्रा) और कपिल पोखारिया (90 किग्रा) का सामान मिसिंग है। प्लेयर्स के अलावा, मेंस टीम के हेड कोच सी. कुटप्पा का बैग भी ग्लासगो नहीं पहुंचा है। इसी महीने जब टीम दोहा से बेलफास्ट जा रही थी, तब भी लगेज को लेकर ऐसी ही समस्या आई थी।

सामान छूटने के साथ-साथ टीम को रुकने की व्यवस्था में भी दिक्कत झेलनी पड़ रही है। महिला मुक्केबाजों की कोच को उस होटल में कमरा नहीं मिला है, जहां खिलाड़ी ठहरी हुई हैं। कोच को खिलाड़ियों से दूर दूसरे होटल में रखा गया है, जिससे टूर्नामेंट की तैयारियों और टीम के तालमेल में परेशानी आ रही है।

विराट कोहली-अनुष्का प्रेमानंदजी से मिलने पहुंचे

मथुरा। विराट कोहली ने पत्नी अनुष्का शर्मा के साथ वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए। दोनों बुधवार तड़के 4 बजे महाराजजी के नए आश्रम यमुना विहार कुंज पहुंचे। चेहरे पर मास्क लगाकर नंगे पांव आश्रम के अंदर गए। बारिश की वजह से रास्ते में कीचड़ था। विराट, अनुष्का का हाथ थामकर कीचड़ में चलते नजर आए। प्रेमानंदजी के शिष्यों ने उनकी अगवानी की। दोनों करीब 1 घंटे तक आश्रम में रहे। बाहर आए तो विराट के माथे पर चंदन का टीका और हाथ में प्रसाद था। फिर कार से दोनों आश्रम से 15 किमी. दूर महाराजजी के गुरु हित गोविंद शरण महाराज के आश्रम पहुंचे। उनके दर्शन किए और आशीर्वाद लिया। विराट और अनुष्का ने इससे पहले IPL जीतने के बाद 2 जून को संत प्रेमानंद के दर्शन किए थे। दोनों 2 घंटे तक आश्रम में रहे थे। माथे पर चंदन, त्रिपुंड और हाथ में एक किताब लेकर बाहर आए थे।

फेमा केस में ललित मोदी को राहत

ट्रिब्यूनल ने ईडी का जुर्माना रद्द किया, आईपीएल-2009 साउथ अफ्रीका में कराने पैसे भेजने का आरोप था

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL-2009 को साउथ अफ्रीका में आयोजित कराने से जुड़े 15 साल पुराने फेमा (FEMA) मामले में पूर्व IPL चेयरमैन ललित मोदी को बड़ी राहत मिली है। स्मगलर्स एंड फॉरेन एक्सचेंज मैनिपुलेटर्स एक्ट (SAFIMA) के तहत अपीलेट ट्रिब्यूनल ने प्रवर्तन निदेशालय (ED) का उन पर लगाया जुर्माना रद्द कर दिया है।

यह मामला 2009 में लोकसभा चुनाव के दौरान सुरक्षा कारणों से आईपीएल का दूसरा सीजन दक्षिण अफ्रीका में आयोजित कराने से जुड़ा है। ईडी का आरोप था कि BCCI ने IPL 2009 के आयोजन के लिए करीब 4.98 करोड़ अमेरिकी डॉलर (243 करोड़ रुपए से अधिक) भारतीय रिजर्व बैंक की पूर्व अनुमति के बिना विदेश भेजे थे। ईडी ने 2011 में इस मामले में शो-कॉज नोटिस जारी किए थे। 2018 में ललित मोदी, BCCI के कुछ पूर्व पदाधिकारियों और अन्य पर जुर्माना लगाया था। इसके बाद सभी ने SAFEMA अपीलीय न्यायाधिकरण में इसे चुनौती दी थी। फैसले के बाद ललित मोदी ने कहा कि उन्होंने हमेशा भारतीय क्रिकेट और IPL के हित में काम किया और कोई व्यक्तिगत गलत कार्य नहीं किया। उन्होंने कहा कि यह फैसला केवल उनकी व्यक्तिगत जीत नहीं, बल्कि यह भी पुष्टि करता है कि किसी भी आरोप का फैसला कानून और साक्ष्यों के आधार पर ही होना चाहिए।

ट्रिब्यूनल ने कहा- ललित मोदी इस लेनदेन के जिम्मेदार नहीं

105 पन्नों के फैसले में ट्रिब्यूनल ने कहा ललित मोदी की जिम्मेदारी साबित करने वाला कोई ठोस साक्ष्य नहीं है। ट्रिब्यूनल ने कहा कि मोदी BCCI के मामलों के प्रभारी नहीं थे। उन्हें पर्याप्त सबूतों के बिना इस मामले में शामिल किया गया था। इसलिए उन पर लगाया गया जुर्माना गलत था।

मनोरंजन

66 साल पहले नूतन पर बना ऐसा गाना, दिखी 'राम-सीता' जैसी कहानी

मोहम्मद रफी ने दर्दभरा गीत गाकर किया अमर

नई दिल्ली। बॉलीवुड में कुछ गाने ऐसे बने, जो भले ही ज्यादा चर्चित नहीं हुए लेकिन हां इन गानों ने एक अलग ही जगह लोगों के दिलों में बनाई। इन्हीं में से आज आपको राम-सीता के एक ऐसे गाने की कहानी बताने जा रहे हैं, जहां बेबसी और दर्द का आलम आपको नजर आएगा। दरअसल आज जिस गाने की हम बात कर रहे हैं उस गाने का नाम है ₹गली-गली सीता रोए...₹। दर्दभरा और भावुक कर देने वाला यह गीत साल 1960 में रिलीज हुई फिल्म 'छलिया' (Chhalia) का है। इस फिल्म का निर्देशन मनमोहन देसाई ने किया था, जो उनके निर्देशन करियर की पहली फिल्म भी थी। फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में राज कपूर, नूतन और प्राण नजर आए थे। गाना नूतन और राज कपूर पर फिल्माया गया था। गाना अगर आप सुनेंगे तो समझ आएगा कि कैसे आधुनकि युग में इस गाने के बोल उस दौर से जोड़े गए। गाने के बोल महिलाओं के दर्द को बयां करते है। आपको बता दें कि इस गाने के बोल 'गली-गली सीता रोए आज मेरे देश में, सीता देखी, राम देखा आज नए भेष में' कमर जलालाबादरी ने लिखे थे। वहीं गाने का संगीत कल्याणजी-आनंदजी ने तैयार किया था, और इसे अपनी जादुई आवाज से सजाया था महान गायक मोहम्मद रफी (Mohammed Rafi) ने।

> 9 साल पहले आई थी अक्षय की फिल्म
> इस को-स्टार ने किया हैरान करने वाला खुलासा टेलीप्रॉम्प्टर के इस्तेमाल को लेकर चर्चा में अक्की

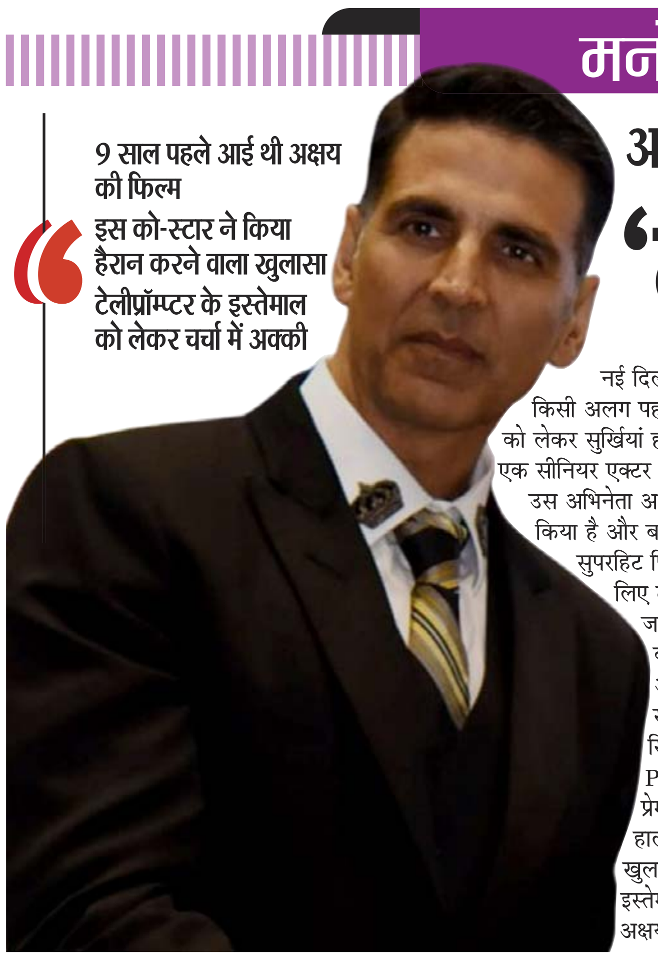

अक्षय कुमार के को-स्टार का शॉकिंग खुलासा, पुरानी फिल्म का खोला राज

'टेलीप्रॉम्प्टर पर पढ़ते हैं लाइनें'

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा के दमदार अभिनेता अक्षय कुमार किसी अलग पहचान की मोहताज नहीं है। अक्सर अपनी मूवीज को लेकर सुर्खियां हासिल करने वाले अक्की के खिलाफ फिलहाल एक सीनियर एक्टर ने मोर्चा खोला है।

उस अभिनेता अक्षय को लेकर एक बड़ा शॉकिंग खुलासा किया है और बताया है कि 9 साल पहले आई एक सुपरहिट फिल्म में अक्षय कुमार ने डायलॉग्स पढ़ने के लिए टेलीप्रॉम्प्टर का इस्तेमाल किया था। आइए जानते हैं कि एक्टर कौन है और कौन सी मूवी की चर्चा यहां हो रही है। जिस अभिनेता ने अक्षय कुमार को लेकर हैरान करने वाला खुलासा किया है वह कोई और नहीं बल्कि हिंदी सिनेमा के वेटरन एक्टर सुधीर पांडे (Sudhir Pandey) हैं। अक्षय के साथ तीस मार खां और टॉयलेट एक प्रेम कथा जैसी कई फिल्मों में साथ नजर आने वाले सुधीर ने हाल ही में सिद्धार्थ कनन के पॉडकास्ट में अक्की को लेकर खुलकर बात की है और बताया है कि उन्होंने टेलीप्रॉम्प्टर का इस्तेमाल किया है। सुधीर के मुताबिक-साल 1995 में मैं और अक्षय कुमार फिल्म पांडव कर रहे थे और उस दौरान उन्हें लाइन याद करने में दिक्कत हो रही थी। इस वजह से उन्होंने बोर्ड का इस्तेमाल किया। तीस मार खां में उन्होंने टेलीप्रॉम्प्टर का इतना अधिक यूज नहीं किया, लेकिन मुझे आज भी याद है कि टॉयलेट एक प्रेम कथा के लंबे सीक्वेंस के लिए उन्होंने ऐसा किया था। हालांकि, अब वह ऐसा करते हैं या नहीं मैं नहीं जानता। उन्होंने उस वक्त टेलीप्रॉम्प्टर की मदद ली थी। मेरे हिसाब से ऐसा करना वाला कलाकार बाद में इनका आदि हो जाता है।

> बात की जाए अक्षय कुमार की अगली फिल्म के बारे में तो इस साल भूत बंगला और वेलकम टू द जंगल जैसी हिट फिल्में देने के बाद अक्षय अब आने वाले समय में फिल्म हैवान में नजर आएंगे।

इसके अलावा सुधीर पांडे ने भी खुलासा किया है कि वह अक्षय कुमार के साथ जब भी सम्पर्क करने की कोशिश करते हैं तो उनके मैनेजर की तरफ से कोई रिस्पॉन्स नहीं आता। इससे थोड़ा बुरा लगता है कि एक दूसरे के साथ इतनी फिल्मों में काम करने के बाद भी उनके साथ ऐसा व्यवहार उचित नहीं लगता।

शहनाज गिल को भीड़ से बचाने पर राघव जुयाल बोले कार में सरेआम शहनाज को गोद में बैठाया था

'मरते दम तक प्रोटेक्ट करूंगा'

नई दिल्ली, एजेंसी

एक्टर और डांसर राघव जुयाल ने अपनी बर्थडे पार्टी के उस वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें वे एक्ट्रेस शहनाज गिल को पैपराजी और फैंस की भीड़ से बचाते नजर आए थे। उन्होंने अपनी बर्थडे पार्टी के बाद शहनाज को लोगों से बचाते हुए कार के अंदर गोद में बैठा लिया था। पिंकविला से बातचीत में राघव ने साफ किया कि किसी भी महिला की सुरक्षा करना उनके लिए कोई पब्लिसिटी स्टंट नहीं, बल्कि उनकी मूल प्रवृत्ति है। उन्होंने कहा कि जब भी कोई महिला उनके साथ होगी, वे 'मरते दम तक उसकी रक्षा करेंगे'।

राघव के मुताबिक, उनके माता-पिता ने उन्हें किसी भी परिस्थिति में महिलाओं का सम्मान और उनकी रक्षा करना सिखाया है।

राघव ने कहा मेरे माता-पिता ने मुझे एक जिम्मेदार पुरुष बनना सिखाया है। अगर मैं पुरुषों के किसी समूह को किसी महिला को परेशान करते देखूंगा, तो मैं तुरंत बीच में आऊंगा क्योंकि मेरी परवरिश ऐसी ही हुई है। मुझे कभी भी ऐसी स्थितियों को नजरअंदाज करना नहीं सिखाया गया। मुझे सिखाया गया है कि जरूरत पड़ने पर मैं उस इंसान को करारा जवाब दे सकता हूं। मैं मरते दम तक रक्षा करूंगा। चाहे आप हों या कोई भी अन्य महिला, अगर वह मेरे साथ है, तो मेरी पहली आदत उसकी सुरक्षा करना ही होगी। यह मेरी फितरत है और यह कभी नहीं बदलेगी। अगर मैं किसी भी महिला को परेशान होते देखता हूं, तो मैं उसे नजरअंदाज नहीं कर सकता। मुझे पता है कि ऐसी स्थितियों को कैसे संभालना है। उस समय मैं अपनी सेलिब्रिटी इमेज या लोग क्या कहेंगे, इस बारे में बिल्कुल नहीं सोचता। मैं सिर्फ वही करता हूं जो मुझे सही लगता है।

> शहनाज गिल और राघव जुयाल की दोस्ती लंबे समय से चर्चा में है। दोनों ने साल 2023 में सलमान खान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में साथ काम किया था। तभी से दोनों के अफेयर की खबरें सामने आती रही हैं। हालांकि, शहनाज और राघव हमेशा एक-दूसरे को सिर्फ अच्छा दोस्त बताते आए हैं।

फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में राघव ने 'इश्क' और शहनाज गिल ने इश्क की प्रेमिका 'सुकून' का रोल प्ले किया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो राघव की अपकमिंग फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' का ट्रेलर कल रिलीज हुआ। ट्रेलर में राघव कॉमिक अवतार में नजर आ रहे हैं। वह फिल्म में अजय सिंह का किरदार निभा रहे हैं।

शहनाज गिल बोलीं- राघव हैं खास दोस्त

डेटिंग की अफवाहों के बीच शहनाज गिल ने राघव जुयाल को अपना बेहद करीबी और अच्छा दोस्त बताया। साथ ही उन्होंने लोगों से उनकी आगामी फिल्म को सपोर्ट करने की अपील की।

पिंकविला को दिए इंटरव्यू के दौरान जब शहनाज से राघव जुयाल के साथ उनके रिश्ते को लेकर सवाल पूछा गया, तो उन्होंने कहा, प्लीज, मुझसे पर्सनल सवाल मत पूछिए।

हालांकि, शहनाज ने कहा, मैं बस इतना कहना चाहूंगी कि मेरे दोस्त की फिल्म आ रही है। 'भाई तेरा स्टार है', इसलिए आप सभी से गुजारिश है कि उसकी फिल्म को जरूर सपोर्ट करें। वह मेरा बहुत अच्छा दोस्त है और उसकी फिल्म का चलना बेहद जरूरी है।

शाह रुख खान की पठान का ताज छीन लेगी जन नायकन

नई दिल्ली। कड़े संघर्ष के बाद साउथ सुपरस्टार और तमिलानडु के मुख्यमंत्री विजय थलापति (Vijay Thalapathy) की आखिरी फिल्म जन नायकन जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देगी। कुछ दिन पहले इस मोस्ट अवेटेड मूवी की एडवांस बुकिंग विंडो को मेकर्स की तरफ से ओपन किया गया है और इस मामले में जन नायकन को अच्छा रिस्पॉन्स मिलता हुआ नजर आ रहा है।

अब खबर आ रही है कि एडवांस बुकिंग कलेक्शन के आधार पर ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि विजय की जन नायकन बॉलीवुड सुपरस्टार शाह रुख खान की ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्म पठान (Pathaan) की पहले दिन की कमाई का रिकॉर्ड ध्वस्त कर सकती है। भारतीय सिनेमा की सबसे बड़े स्तर पर रिलीज के तौर पर विजय की जन नायकन को देखा जा रहा है। विजय के एक्टिंग करियर की आखिरी मूवी के तौर पर मेकर्स इस हिट बनाने के लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ना चाहते हैं। इसके लिए पूरे भारत में 8000 शो प्लान किए गए हैं, जिनमें से अकेले तमिलनाडु में ही 3500 से ज्यादा शो होंगे। सैकनिल्क की रिपोर्ट के अनुसार बुधवार सुबह तक जन नायकन ने ओपनिंग डे के लिए एडवांस बुकिंग के माध्यम से 15 करोड़ की कमाई कर ली है। ब्लॉक की गई सीटों को जोड़ने पर यह आंकड़ा 20 करोड़ के पार पहुंच रहा है और अकेले पहले दिन के लिए 6.5 लाख टिकट बिक चुके हैं।

लगातार 11वीं रात हमला, जंग में यूएस 3.6 लाख करोड़ खर्च कर चुका

अमेरिका ने ईरान के 5 शहरों पर बम बरसाए

हमला

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी

अमेरिका ने बुधवार तड़के ईरान के पांच शहरों में एक साथ एयर और मिसाइल स्ट्राइक की। ईरानी अधिकारियों के मुताबिक चाबहार, कोनारक, तबरीज, बेहबहान और ओमीदियेह को निशाना बनाया गया। सीजफायर टूटने के बाद यह लगातार 11वीं रात है, जब अमेरिका ने ईरान पर हमला किया है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका ईरान के संदिग्ध परमाणु ठिकाने पिकएक्स माउंटेन पर 'बहुत जल्द और बहुत भारी' हमला कर सकता है। ट्रम्प की इस चेतावनी के जवाब में ईरान ने कहा कि यदि हमले जारी रहे तो वह क्षेत्र में युद्ध का दायरा और बढ़ा सकता है। इस बीच अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बताया है कि अब तक इस युद्ध पर अमेरिका का खर्च 37.5 अरब डॉलर (करीब 3.6 लाख करोड़ रुपए) तक पहुंच गया है। अगर होर्मुज स्ट्रेट और बाब-अल-मंदेब दोनों समुद्री रास्तों पर एक साथ संकट गहराता है, तो दुनिया को एक नए ऊर्जा संकट का सामना करना पड़ सकता है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल, वैश्विक व्यापार में रुकावट और महंगाई बढ़ने का खतरा पैदा हो जाएगा। हूती विद्रोहियों की ओर से सऊदी अरब से जुड़े जहाजों की नाकेबंदी की घोषणा के बाद यह आशंका और बढ़ गई है।

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने कहा है कि अमेरिका अब भी ईरान के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन वे इसे लेकर गंभीर नहीं है। रुबियो ने यह बयान बुधवार को फिलीपींस की राजधानी मनीला में आयोजित आसियान (ASEAN) देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक के दौरान दिया।

जॉर्डन बोला- ईरान ने 6 मिसाइलें दागीं, 4 हवा में मार गिराईं

जॉर्डन ने दावा किया है कि ईरान ने उसके खिलाफ छह मिसाइलें दागीं। सरकारी समाचार एजेंसी पेट्रा के मुताबिक, जॉर्डन के एयर डिफेंस सिस्टम ने इनमें से चार मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया, जबकि दो मिसाइलें दूरदराज के निर्जन इलाकों में गिरीं। पेट्रा ने सेना के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि सभी मिसाइलें ईरान की तरफ से दागी गई थीं। जैसे ही वे जॉर्डन के हवाई क्षेत्र में दाखिल हुईं, एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय हो गया और चार मिसाइलों को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया।

> ईरान के गृह मंत्री एस्कंदर मोमेनी पाकिस्तान पहुंचे और सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की। बाद में उन्होंने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी बातचीत की।

ईरान ने अमेरिका-इजराइल के लिए काम करने के आरोपी को फांसी दी

ईरान ने मेहदी खांकी नाम के एक व्यक्ति को फांसी दे दी है। ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी फार्स के मुताबिक, उस पर एक प्रतिबंधित संगठन से जुड़े होने और अमेरिका और इजराइल के लिए काम करने का आरोप था।

रिपोर्ट के मुताबिक, मेहदी खांकी को करज शहर से गिरफ्तार किया गया था। ईरानी सुरक्षा एजेंसियों का दावा है कि उसके घर की तलाशी में पिस्तौल, गोलियां, विस्फोटकों के रिमोट, देसी ग्रेनेड, रॉकेट लॉन्चर जैसे कंधे से दागे जाने वाले विस्फोटक ट्यूब और हाई-एक्सप्लोसिव बम मिले थे।

होर्मुज और बाब अल-मंदेब दोनों बंद हुए तो दुनिया पर क्या होगा असर?

दुनिया के दो सबसे अहम समुद्री व्यापारिक मार्ग होर्मुज स्ट्रेट और बाब-अल-मंदेब अलग-अलग जगहों पर हैं, लेकिन दोनों वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए बेहद अहम हैं। होर्मुज स्ट्रेट फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है। इसी रास्ते से सऊदी अरब, इराक, यूएई, कुवैत और ईरान जैसे बड़े तेल उत्पादक देशों का तेल दुनिया तक पहुंचता है। वहीं, बाब-अल-मंदेब लाल सागर को अदन की खाड़ी से जोड़ता है। यह हिंद महासागर, मध्य पूर्व और स्वेज नहर के बीच जहाजों की आवाजाही का प्रमुख रास्ता है।

फास्ट न्यूज

पहली बार व्हाइट हाउस में ट्रंप से मिले लेबनान के राष्ट्रपति

वाशिंगटन। लेबनान के राष्ट्रपति जोसेफ औन ने मंगलवार को पहली बार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से व्हाइट हाउस में मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच लेबनान-इजरायल संबंध और हिजबुल्ला को निशस्त्र करने के लिए लेबनानी सरकार के प्रयासों पर चर्चा हुई। राष्ट्रपति औन शनिवार से अमेरिका दौरे पर हैं। ट्रंप से मुलाकात से पहले वह अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से भी मुलाकात कर चुके हैं।

अमेरिका में भीषण सड़क हादसा

कैलिफोर्निया। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक सड़क दुर्घटना में हैदराबाद के एक परिवार के तीन सदस्यों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह जानकारी मंगलवार को परिवार के सदस्यों को मिली। दुर्घटना सोमवार रात (भारतीय समय) हुई, जब परिवार की गाड़ी दूसरी गाड़ी से टकरा गई। मृतकों की पहचान नाजिया सलमा, उनकी बेटी और बेटे के रूप में हुई है। जबकि नाजिया के पति शेख नवेद और उनकी छोटी बेटी गंभीर रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शेख नवेद करीब 10 साल पहले हैदराबाद से अमेरिका गए थे। परिवार के साथ यात्रा कर रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

सेंसेक्स 715 अंक गिरकर 76755 पर बंद

मुंबई। शेयर बाजार में आज यानी 22 जुलाई को गिरावट रही। सेंसेक्स 715 अंक की गिरावट के साथ 76,755 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 191 अंक की गिरावट रही, ये 23,996 पर बंद हुआ। रियल्टी, IT, मीडिया और बैंकिंग शेयर्स में आज ज्यादा बिकवाली रही। भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन यानी BPCL ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (Q1FY27) यानी अप्रैल-जून के नतीजे जारी किए।

वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर चलेगा ड्रग तस्करी का केस

यूएस कोर्ट में जून 2027 से ट्रायल का प्रस्ताव

- निकोलस मादुरो पर अमेरिका में ड्रग तस्करी के आरोप।
- मुकदमा जून 2027 से शुरू करने का प्रस्ताव।
- जनवरी में काराकास से हुई थी गिरफ्तारी।

वॉशिंगटन, एजेंसी

वेनेजुएला के अपदस्थ राष्ट्रपति निकोलस मादुरो पर अमेरिका में ड्रग तस्करी के संगीन आरोपों के तहत मुकदमा चलाने की तैयारी तेज हो गई है। मादुरो और अमेरिकी न्याय विभाग (DOJ) के वकीलों ने मिलकर अदालत में एक प्रस्ताव दिया है, जिसमें मुकदमे की शुरुआत जून 2027 से करने की मांग की गई है। बता दें कि यह संयुक्त प्रस्ताव मैनहट्टन फेडरल कोर्ट में होने वाली सुनवाई से ठीक पहले एक अदालती दस्तावेज के जरिए सामने आया है। इस हाई-प्रोफाइल मामले को अमेरिका के हालिया इतिहास के सबसे बड़े और महत्वपूर्ण मुकदमों में से एक माना जा रहा है मिली जानकारी के अनुसार दोनों पक्षों ने जून 2027 की तारीख का प्रस्ताव तो दिया है, लेकिन अंतिम फैसला अमेरिकी जिला न्यायाधीश अल्विन हेलरस्टीन को लेना है। शेड्यूल में आगे बदलाव भी संभव है।

गौरतलब है कि इसी साल जनवरी में अमेरिकी स्पेशल फोर्सेज ने वेनेजुएला की राजधानी काराकास में एक रात के दौरान बड़ा ऑपरेशन चलाया था। इसमें मादुरो और उनकी पत्नी सीलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार कर सीधे न्यूयॉर्क लाया गया था।

इसके बाद 5 जनवरी को कोर्ट में पेशी के दौरान मादुरो ने खुद को युद्धबंदी करार दिया था। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका वेनेजुएला के विशाल तेल भंडारों पर कब्जा करने के लिए उन्हें सत्ता से हटाना चाहता है।

संसद ने बच्चों को ज्यादा ऑनलाइन रहने के बुरे असर से बचाने के लिए एक अहम कानून पास किया

15 से कम उम्र के बच्चे नहीं कर सकेंगे सोशल मीडिया का इस्तेमाल

पेरिस, एजेंसी

फ्रांस यूरोपियन यूनियन का पहला ऐसा देश बन गया है जिसने 15 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर पूरी तरह से रोक लगाने को मंजूरी दी है। संसद ने बच्चों को ज्यादा ऑनलाइन रहने के बुरे असर से बचाने के लिए एक अहम कानून पास किया है। इस कानून के तहत सितंबर से 15 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर नए अकाउंट खोलने से रोका जाएगा, जबकि 15 साल से कम उम्र के यूजर्स के मौजूदा अकाउंट जनवरी 2027 से बंद कर दिए जाएंगे। यूरोपियन कमीशन यह भी देखेगा कि क्या यह कानून ईयू के डिजिटल सर्विसेज एक्ट के मुताबिक है या नहीं। फ्रांस की डिजिटल मंत्री ऐनी ले हेनानफ ने कहा कि इसे लागू करने की समय-सीमा हासिल की जा सकती है क्योंकि उम्र की पुष्टि करने वाली टेक्नोलॉजी पहले से ही उपलब्ध है, जबकि अतिरिक्त टूल अभी भी विकसित किए जा रहे हैं। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि कानून लागू करने की जिम्मेदारी सोशल मीडिया कंपनियों की है और भरोसा दिलाया कि यूजर्स का पर्सनल डेटा सुरक्षित रहेगा। इस कानून में एजुकेशनल वेबसाइट, ऑनलाइन इनसाइक्लोपीडिया और साइंटिफिक प्लेटफॉर्म को छूट दी गई है। साथ ही इसमें बच्चों या उनके माता-पिता के लिए किसी सजा का प्रावधान नहीं है। यह कानून युवा यूजर्स पर सोशल मीडिया के असर को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आया है। फ्रांस की पब्लिक हेल्थ वॉचडॉग ने पिछले साल चेतावनी दी थी कि टिकटॉक, स्नैपचैट और इंस्टाग्राम जैसे प्लेटफॉर्म का किशोरों, खासकर लड़कियों पर बुरा असर पड़ता है।

> राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के कड़े समर्थन वाले इस कानून के तहत 15 साल से कम उम्र के बच्चों के सोशल मीडिया अकाउंट बनाने पर रोक होगी और प्लेटफॉर्म्स के लिए यूजर्स की उम्र की पुष्टि करना जरूरी होगा।

फ्रांसीसी सीनेट ने दी कानून को मंजूरी

मंगलवार को फ्रांसीसी सीनेट ने इस कानून को मंजूरी दी और इसके बाद नेशनल असेंबली ने इसे 81 के मुकाबले 279 वोटों से पास कर दिया। इसके साथ ही फ्रांस दुनिया के उन शुरुआती देशों में शामिल हो गया है जिन्होंने बच्चों के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल पर इतने कड़े प्रतिबंध लागू किए हैं।

राष्ट्रपति मैक्रों ने संसद की मंजूरी का स्वागत करते हुए इसे ऑनलाइन बच्चों और किशोरों की सुरक्षा की दिशा में एक अहम पड़ाव बताया। वोटिंग के बाद सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में मैक्रों ने कहा, बच्चों और किशोरों की सुरक्षा के मामले में फ्रांस यूरोप में सबसे आगे है। मैक्रों चाहते हैं कि यह कानून 1 सितंबर से लागू हो ताकि फ्रांस के नए शैक्षणिक सत्र की शुरुआत के समय तक यह प्रभावी हो सके।

सिर्फ 3 उत्तराधिकारी बचे तो नियम बदला, महिला को सम्राट बनने का अधिकार नहीं मिला

जापान में राजा अब दूर के रिश्तेदारों को गोद लेंगे

टोक्यो, एजेंसी

जापान की संसद ने 17 जुलाई को शाही परिवार के उत्तराधिकार से जुड़े कानून में बड़ा बदलाव किया। नए कानून के तहत अब शाही परिवार 15 साल या उससे अधिक उम्र के दूर के पुरुष रिश्तेदारों को गोद लेकर दोबारा शाही परिवार में शामिल कर सकेगा। इसके अलावा, अब शाही परिवार की महिलाएं किसी आम नागरिक से शादी करने के बाद भी अपना शाही दर्जा और आधिकारिक जिम्मेदारियां नहीं खोएंगी। हालांकि, सबसे अहम नियम नहीं बदला गया। जापान में अब भी सिर्फ पुरुष ही सम्राट बन सकते हैं। यानी सम्राट नारुहितो की इकलौती बेटी राजकुमारी आइको भविष्य में भी सिंहासन की उत्तराधिकारी नहीं बन सकेंगी।

> सम्राट नारुहितो की 24 साल की बेटी राजकुमारी आइको लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। कई जापानी चाहते हैं कि सम्राट की उत्तराधिकारी वही बनें, लेकिन महिला होने की वजह से वह इसके लिए पात्र नहीं हैं।

सम्राट नारुहितो की 24 साल की बेटी राजकुमारी आइको लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। कई जापानी चाहते हैं कि सम्राट की उत्तराधिकारी वही बनें, लेकिन महिला होने की वजह से वह इसके लिए पात्र नहीं हैं।

अगर भविष्य में पुरुष उत्तराधिकारी नहीं बढ़े, तो शाही परिवार के सामने उत्तराधिकार का संकट और गहरा सकता है। जापान में महिला को सम्राट बनाने का मुद्दा कई वर्षों से चर्चा में है। जनमत सर्वेक्षणों में अधिकांश जापानी नागरिक महिला सम्राट के पक्ष में रहे हैं। 2024 में क्योडो न्यूज के सर्वे में 90% जापानी नागरिकों ने महिला सम्राट का समर्थन किया था। लेकिन सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (LDP) के परंपरावादी नेता इसका विरोध करते रहे हैं। इन नेताओं का तर्क है कि जापान का शाही परिवार करीब 2,000 वर्षों से पुरुष वंश के आधार पर चला आ रहा है। उनके अनुसार, अगर किसी महिला को सम्राट बनाया गया और उसके बच्चे भविष्य में सिंहासन पर बैठे, तो शाही परिवार की पितृवंश परंपरा टूट जाएगी।

शाही परिवार में नियम बदलने की जरूरत क्यों पड़ी

जापान का शाही परिवार दुनिया का सबसे पुराना लगातार चला आ रहा राजवंश माना जाता है, लेकिन आज वह उत्तराधिकार के गंभीर संकट से जूझ रहा है। मौजूदा सम्राट की सिर्फ एक बेटी है। वह उत्तराधिकारी नहीं बन सकती, क्योंकि कानून सिर्फ पुरुषों को ही सिंहासन का अधिकार देता है।

शाही परिवार में सिंहासन के सिर्फ 3 उत्तराधिकारी हैं। उत्तराधिकार की कतार में पहले नंबर पर सम्राट के छोटे भाई प्रिंस फुमिहितो, दूसरे नंबर पर उनके 19 वर्षीय बेटे प्रिंस हिसाहितो और तीसरे नंबर पर 90 वर्षीय प्रिंस हिताची हैं।

सम्राट नारुहितो की 24 साल की बेटी राजकुमारी आइको लोगों के बीच बहुत लोकप्रिय हैं। कई जापानी चाहते हैं कि सम्राट की उत्तराधिकारी वही बनें, लेकिन महिला होने की वजह से वह इसके लिए पात्र नहीं हैं।

पानी पर तैरकर हवा में भरी उड़ान

14 सेकंड में 12,000 लीटर पानी भरकर आग बुझाता है

मॉस्को, एजेंसी

रूस दुनियाभर में अपने ताकतवर एयरक्राफ्ट के लिए जाना जाता है। रूस के एक पास एक से बढ़कर एक पावरफुल एयरक्राफ्ट मौजूद हैं। इन्हीं में से एक है 40 टन वजन वाला Beriev Be-200 एम्फीबियस एयरक्राफ्ट। आइए जानते हैं क्या है इसकी खासियत?

इस एयरक्राफ्ट का नाम इसकी क्षमता के अनुसार रखा गया है। मतलब यह है कि एयरक्राफ्ट जमीन और पानी दोनों पर चलने वाला में सक्षम है। 40 टन वजन वाला यह एयरक्राफ्ट जब पानी पर चलता है तो देखने वालों के होश उड़ जाते हैं।

आग बुझाने के लिए बने इस जेट-पावर्ड एयरक्राफ्ट की खासियत यह है कि यह पानी की सतह पर तेजी से चलते हुए सिर्फ 14 सेकंड में ही 12000 लीटर पानी भर सकता है। इसका उपयोग मुख्य रूस से जंगल की आग बुझाने के लिए किया जाता है। इसमें दो D-436TP टर्बोफैन इंजन लगे हैं, यह 720 km/h तक की स्पीड पकड़ सकता है।

- 40 टन वजनी बी-200 जमीन और पानी दोनों पर चलता है
- 720 किमी/घंटा रफ्तार, 3850 किमी रेंज, बहुउपयोगी एयरक्राफ्ट

कीमत : यह 4,806 करोड़ रहा, रेवेन्यू भी 34% बढ़ा, नतीजों के बाद शेयर 1% गिरा

अडाणी पावर का पहली तिमाही में मुनाफा 42% बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

अडाणी पावर ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। कंपनी का अप्रैल-जून तिमाही में कॉन्सोलिडेटेड नेट प्रॉफिट सालाना आधार पर 42% बढ़कर 4,806 करोड़ पर पहुंच गया है।

पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी को 3,385 करोड़ का मुनाफा हुआ था। हालांकि, मुनाफे में इस बड़ी बढ़त के बावजूद बुधवार को कंपनी का शेयर करीब 1.39% गिरकर 217.31 पर आ गया है।

स्टैंडअलोन: यह केवल एक कंपनी या यूनिट के वित्तीय प्रदर्शन को दर्शाता है। इसमें उसकी आय, व्यय, और मुनाफा शामिल होता है। कॉन्सोलिडेटेड: यह पूरे ग्रुप या कंपनी की कुल वित्तीय स्थिति को दर्शाता है, जिसमें सभी सहायक कंपनियों और यूनिट्स का वित्तीय प्रदर्शन एक साथ दिखाए जाते हैं।

अडाणी पावर लिमिटेड (APL) की शुरुआत 22 अगस्त 1996 को हुई थी। यह देश की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर थर्मल पावर प्रोड्यूसर है। कंपनी के पास 15,250 मेगावॉट पावर जनरेशन की क्षमता है। इसके थर्मल प्लांट्स गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और झारखंड में हैं। वहीं गुजरात में 40 मेगावॉट कैपेसिटी का सोलर प्लांट है। क्योटो प्रोटोकॉल के क्लीन डेवलपमेंट मीशन (CDM) के तहत रजिस्टर्ड कोयला-बेस्ड सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर प्रोजेक्ट्स बनाने वाली कंपनी है।

कंपनी का रेवेन्यू 34% बढ़कर 18,901 करोड़

कंपनी की टोटल इनकम सालाना आधार पर 33% बढ़कर 19,322 करोड़ हो गई। यह पिछले साल की समान तिमाही में 14,573 करोड़ रुपए रही थी। वहीं कंपनी का ऑपरेशन से रेवेन्यू 34% बढ़कर 18,901 करोड़ रुपए हो गया है। पिछले साल की समान तिमाही में यह 14,109 करोड़ रुपए रहा था।

- अडाणी पावर का शेयर पिछले एक महीने में 7% गिरा है। पिछले छह महीने में 54% चढ़ा और बीते एक साल में 84% चढ़ा है। कंपनी का मार्केट कैप 83.79 हजार करोड़ रुपए है।

चांदी 3034 महंगी होकर 2.26 लाख पर पहुंची

3 दिन में कीमत 10764 बढ़ी, सोना आज 2,303 बढ़कर 1.43 लाख पर पहुंचा

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में आज यानी 21 जुलाई को बढ़त है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी 3,034 रुपए बढ़कर 2.26 लाख रुपए पर पहुंच गई है। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,303 रुपए चढ़कर 1.43 लाख रुपए पर पहुंच गया है। 3 दिन में सोना 4,281 रुपए और 10,764 रुपए चांदी महंगी हो चुकी है।

कमोडिटी एक्सपर्ट अजय केडिया के मुताबिक सोने-चांदी के दाम अपने हाई से काफी नीचे आ चुके हैं। ऐसे में निवेशक इसमें निवेश कर सकते हैं, हालांकि इनमें एकमुश्त निवेश करने से बचना चाहिए। अजय केडिया के अनुसार साल के आखिर तक सोना एक बार फिर 1.60 लाख और चांदी 2.80 लाख रुपए तक जा सकती है। हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है- AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है। सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें।

सोना इस साल 12 हजार महंगा हुआ

इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सोना 2026 में अब तक 12 हजार रुपए महंगा हुआ है। 31 दिसंबर 2025 को 10g सोना 1.33 लाख रुपए के ऊपर था, जो अब 1.45 लाख रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी की कीमत में 4 हजार रुपए की गिरावट है। चांदी 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए किलो थी, जो अब 2.26 लाख रुपए पर है। इस दौरान 29 जनवरी को सोने ने 1.76 लाख रुपए और चांदी ने 3.86 लाख रुपए का ऑलटाइम हाई भी बनाया था।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं है। मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96